राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 16 सितंबर 2024 वर्ष-7,अंक-234 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसकी चर्चा होना जरूरी

● आरएसएस प्रमुख बोले-समाज में समरसता होनी चाहिए, हर वर्ग को साथ लेकर चलना चाहिए

**अलवर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयं सेवकों को परिवार और समाज से जुड़े 5 सूत्र बताए। उन्होंने कहा- हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। गरीब के साथ जुड़ाव रखें, उनको घर पर लेकर आएं और उनके घर पर भी जाएं। संघ प्रमुख मोहन भागवत पांच दिन से अलवर प्रवास पर हैं। रविवार को वे सुबह 6.30 बजे इंदिरा गांधी स्टेडियम पहुंचे, यहां स्वयं सेवकों को संबोधित किया। स्वयं सेवक डॉ. राजकुमार गुर्जर ने भागवत के संबोधन को साझा किया। भागवत ने कहा- हम सभी को परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर बातचीत करते रहना चाहिए। शाम को खाना खाते समय एक साथ बैठे, ताकि सभी के मन की बात पता रहे। अपने गांव-ढाणी के गरीब परिवारों को आगे बढ़ाने की सोच रखनी चाहिए। गरीब के घर भी जाना चाहिए। गरीब को भी अपने घर बुलाना चाहिए। समाज में समरसता का माहौल रहना चाहिए। हर तबके को साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा- घर में क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए, इस पर परिवार में एक-दूसरे के विचार जरूरी हैं। दूसरा हम समाज के लिए क्या कर रहे हैं, इस पर विचार करने की जरूरत है। जिस राज्य में आप रहते हैं, उसकी वेशभूषा और खान-पान का पता रहना चाहिए। एक जगह शाखा लगाए, जिसमें हमें एक-दूसरे का पता रहना चाहिए। हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है।

### संक्षिप्त समाचार

## अनिल विज ने हरियाणा सीएम की कुर्सी पर ठोका दावा

● बोले-मैं सीनियर हूं,बीजेपी ने नायब सैनी को चेहरा बनाया, इन्हीं की वजह से मंत्रिपद छोड़ा था

**अंबाला (एजेंसी)।** हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री और अंबाला कैंट से भाजपा उम्मीदवार अनिल विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक दिया है। रविवार को अनिल विज ने अंबाला कैंट में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर विधायक और मंत्री रहते हुए खुद के द्वारा करवाए गए काम गिनवाए। इसके बाद विज ने कहा,सारे हरियाणा से लोग आ रहे

हैं। मैं जहां-जहां गया, लोग कह रहे हैं कि आप सीनियर हो, सीएम क्यों नहीं बने। मैं उन लोगों की मांग पर अपनी सीनियोरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है। विज ने आगे कहा- मैंने आज तक कोई पद नहीं मांगा, लेकिन आज दावा पेश कर रहा हूं। अगर पार्टी ने मुझे सीएम बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, तस्वीर बदल दूंगा। गौरतलब है कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने नायब सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था।

## आरएएस-आरपीएस में पैसे लेकर दी गई नौकरियां

**किरोड़ी लाल मीणा बोले**

● आरपीएससी के 3 पूर्व चेयरमैन के खिलाफ मैं सबूत दूंगा

**जयपुर (एजेंसी)।** बीजेपी के वरिष्ठ नेता किरोड़ी लाल मीणा अपना इस्तीफा देने के कारण राजस्थान में चर्चा में है। इधर, पेपर लीक मामले में मोर्चा खोल चुके किरोड़ी लाल मीणा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने तीन पूर्व आरपीएससी अध्यक्षों पर भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास इसके सबूत है, जो वह एसओजी को जल्द सौंपेंगे। उनका आरोप है कि इन लोगों ने आरएएस, आरपीएस और दूसरी कई

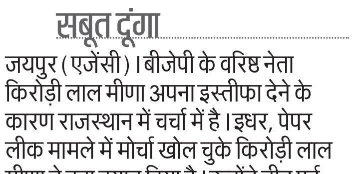

नौकरियां में पैसे लेकर नौकरियां दी है। इसको लेकर किरोड़ी लाल मीणा ने एक डिजिटल मीडिया नेटवर्क को इंटरव्यू देकर इसका खुलासा किया। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने वसुंधरा राजे के पीतल के लौंग के बयान को भी सही बताया और उनका समर्थन किया। पेपर लीक प्रकरण के मामले में किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि ऐसे पांच आरपीएससी के मेंबर है। इनमें से तीन पूर्व अध्यक्षों के नाम तो मेरे पास है, जिनके खिलाफ मेरे पास सबूत हैं। मीणा ने कहा कि आने वाले दिनों में इन सबूतों को मैं एसओजी को सौंपने वाला हूं। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने राजनीतिक दबाव में पैसे लेकर अयोग्य लोगों को नौकरियां दे दी।

## पीएम मोदी ने जमशेदपुर में फूंका चुनावी बिगुल

**बोले-जेएमएम,आरजेडी और कांग्रेस,झारखंड के सबसे बड़े दुश्मन**

**रांची (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची पहुंच गए है, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से जमशेदपुर के लिए उड़ान भरने में परेशानी हुई, जिसके कारण रांची एयरपोर्ट से ही प्रधानमंत्री ने 6 वंदे भारत एक्सप्रेस के ऑनलाइन उद्घाटन के साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं की सौगात दी। प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी करीब 140 किलोमीटर की दूरी तय कर सड़क मार्ग से होकर रांची से जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सकता था। इस कारण सड़क मार्ग से रांची से जमशेदपुर पहुंचे। रास्ते में बारिश के रूप में आशीर्वाद मिला। रास्ते भर में लोगों ने भींग कर स्वागत किया, लोगों का प्यार और आशीर्वाद जीवन की बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती को लेकर दौड़ में शामिल कई अभ्यर्थियों की मौत पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- 'मैं वादा करता हूं... झारखंड में कुछ महीनों के बाद जब बीजेपी की सरकार बनेगी, एनडीए की सरकार बनेगी तो इन सारे मामलों की जांच करवाई जाएगी।'

**झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन-जेएमएम,आरजेडी और कांग्रेस-** प्रधानमंत्री ने कहा- 'आकांक्षी जिला योजना के जरिए झारखंड के पिछड़े जिलों के विकास की चिंता पहली बार किसने की, भाजपा की सरकार ने। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत किसने की,भाजपा की सरकार ने।

- **जेएमएम के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- 'जेएमएम के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी श्रडड को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा के भीतर भी घुस गए हैं। पीएम मोदी ने कहा- 'जानते हैं ऐसा क्यों हुआ। क्योंकि जेएमएम में कांग्रेस का भूत घुस गया है। जब किसी पार्टी में कांग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टिकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है। इसके लिए सबसे पहले ये लोग दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज के हितों की बलि चढ़ाते हैं। यही हाल जेएमएम का भी हो रहा है।
- **मोदी बोले-देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस-** इस देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी एक ही है- कांग्रेस पार्टी। इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार एक ही है- कांग्रेस का परिवार।'

## दो दिन बाद दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा देंगे केजरीवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आने पर पहली बार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को

संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया कि वो दो दिन सीएम की कुर्सी छोड़ देंगे। सीएम केजरीवाल के इस ऐलान पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह अरविंद केजरीवाल का पीआर स्टंट है। उन्हें समझ आ गया है कि दिल्ली की जनता के बीच उनकी छवि एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की है, आज एएपी पूरे देश में एक भ्रष्ट पार्टी के रूप में जानी जाती है।

## 3 मंजिला मकान गिरा, परिवार के 10 लोगों की मौत

**मेरठ में 16 घंटे से रेस्क्यू जारी,स्निफर डॉग से तलाश मृतकों में 6 बच्चे भी, एक पिलर पर टिकी थी बिल्डिंग**

**मेरठ (एजेंसी)।** यूपी के मेरठ में शनिवार शाम हुए हादसे में अब तक 10 की मौत हो गई। मरने वालों में 6 बच्चे भी शामिल हैं। 5 लोगों को रेस्क्यू कर हॉस्पिटल भेजा गया है। 16 घंटे से लगातार रेस्क्यू जारी है। अभी मलबे में किसी के दबे होने की जानकारी नहीं है, लेकिन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ऑपरेशन में लगी है। टीम स्निफर डॉग्स की मदद से मलबे को हटाकर देख रही है कि कोई और तो नहीं दबा है। हादसा शनिवार शाम 5.15 बजे लोहिया नगर थाना क्षेत्र के जाकिर कॉलोनी में हुआ था। 3 मंजिला घर ढह गया था। इसमें एक ही परिवार के 15 लोग दब गए थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि तीन मंजिला बिल्डिंग 50 साल पुरानी थी। सिंगल पिलर पर खड़ी थी। पिलर कमजोर होने की वजह से हादसा हुआ। घर में 63 साल की नफीसा अपने 4 बेटों के परिवार के साथ रहती थीं।

## ईरान ने अंतरिक्ष में लॉन्च की मिसाइल, भड़का अमरीका

**60 किग्रा की सैटेलाइट स्पेस में पहुंचाई,खुशी की लहर**

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान ने देश के अर्धसैनिक बल 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' की ओर से बनाए गए रॉकेट से शनिवार को एक सैटेलाइट लॉन्च किया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। पश्चिमी देशों को आशंका है कि इससे ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है। ईरान ने बताया कि रॉकेट के जरिए उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने वाला यह उसका दूसरा लॉन्च है। वैज्ञानिकों ने बाद में प्रक्षेपण की पुष्टि की तथा बताया कि उपग्रह कक्षा में पहुंच गया है। ईरानी मीडिया की ओर से बाद में साझा किए गए वीडियो में नजर आ रहा है कि एक मोबाइल लांचर की मदद से रॉकेट लॉन्च किया गया।

## महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महायुति में फूट!

**जेपी नड्डा की सलाह भाजपा निभाए बड़े भाई की भूमिका**

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महायुति के भीतर कलह की खबरें सामने आ रही हैं। इन्हीं अंदरूनी कलह और खामियों को दूर करने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र भाजपा इकाई को सलाह दी है। साथ ही गठबंधन सहयोगियों की चिताओं का समाधान करने के लिए भी कहा है। ताकि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को एकजुट और मजबूत रखा जा सके। पार्टी के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र भाजपा से यहां तक कहा कि उसे बड़े भाई की भूमिका निभानी चाहिए। नड्डा शनिवार को मुंबई पहुंचे थे। यहां उन्होंने लालबागचा राजा गणेश के दर्शन किए। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के वर्षा स्थित आवास और बाद में मालाबार हिल्स में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सागर स्थित आवास पर जाकर चल रहे 10वें गणपति उत्सव में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार द्वारा आयोजित बांद्रा पश्चिम में सार्वजनिक गणेश के दर्शन भी किए। उत्सव के अलावा नड्डा ने फडणवीस के आवास पर राज्य भाजपा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बातचीत की। नाम न बताने की शर्त पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि नड्डा ने विधानसभा चुनावों की चुनौतियों और तैयारियों के बारे में बात की। पार्टी नेता ने बताया कि नड्डा ने उनसे महायुति (भाजपा, शिवसेना और एनसीपी का तीन-दलीय गठबंधन) को मजबूत करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने की अपील की। विधानसभा चुनाव से पहले महायुति के भीतर चल रही कलह के बीच सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने टीम वर्क की जरूरत पर जोर दिया।

## मस्क का स्पेस मिशन कामयाब चार एस्ट्रोनॉट धरती पर लौटे

**ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की पानी में लैंडिंग; वापसी में 27000 किमी प्रति घंटे की स्पीड, 1900 डिग्री था तापमान**

**फ्लोरिडा (एजेंसी)।** स्पेसएक्स का पोलारिस डॉन क्रू 15 सितंबर को पृथ्वी पर वापस लौट गया। ड्रैगन स्पेसक्रॉफ्ट ने दोपहर 1.06 बजे फ्लोरिडा के ड्राई टोर्टुगास कोस्ट पर लैंडिंग की। पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 27,000 किमी प्रति घंटे थी। हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुई और तापमान 1,900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इलॉन मस्क की कंपनी के फाल्कन-9 रॉकेट से पोलारिस डॉन मिशन को 10 सितंबर को लॉन्च किया गया था। 5 दिन के इस मिशन में 4 एस्ट्रोनॉट जिस ऑर्बिट (1,408.1 किमी) में गए थे, उसमें 50 साल से ज्यादा समय से कोई एस्ट्रोनॉट नहीं गया। किसी भी स्पेस मिशन का सबसे मुश्किल हिस्सा पृथ्वी पर लौटना होता है।

सुरक्षित रूप से घर पहुंचने के लिए, क्रू ड्रैगन कैप्सूल ने डी-ऑर्बिट बर्न शुरू किया। लगभग 27,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पेसक्राफ्ट ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया। हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुई और तापमान 1,900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 4-मीटर चौड़े ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के नीचे लगी हीटशील्ड एस्ट्रोनॉट्स को इस तापमान से सुरक्षित रखा। जैसे-जैसे स्पेसक्राफ्ट नीचे आया उसकी रफ्तार को धीमा किया गया।

## एलएसी पर नहीं है अब दुश्मन की खैर

● जोरावर की दहाड़ से थर्राएगा चीन, ऑटोमोटिव परीक्षण पूरा

**जोधपुर (एजेंसी)।** भारत ने चीनी सेनाओं के खिलाफ ऊंचाई वाले इलाकों में प्रभावी मुकाबला करने के लिए राजस्थान के जोधपुर में हल्के टैंक जोरावर का सफलतापूर्वक शुरुआती ऑटोमोटिव परीक्षण पूरा किया है। यह टैंक विशेष रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती के लिए तैयार किया जा रहा है, जहां चीन ने हल्के टैंकों की तैनाती की है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया और रेगिस्तानी इलाकों में निर्धारित किए गए टास्क को कुशलतापूर्वक पूरा किया। डीआरडीओ और एलएंडटी डिफेंस ने मिलकर 25 टन वजन के हल्के टैंक को विकसित किया है, जिन्हें मुख्य रूप से त्वरित तैनाती के लिए तैयार किया गया है। पहले इस तरह के टैंकों को विकसित करने के लिए जर्मनी से बातचीत चल रही थी, लेकिन जर्मन कंपनी इंजन की आपूर्ति में समय पर प्रतिबद्ध नहीं हो सकी। इस देरी के कारण अमेरिकी कंपनियों से जुड़ने का निर्णय लिया गया और अमेरिकी कंपनी कमिंस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। भारतीय सेना के अनुसार, लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए 350 से अधिक हल्के टैंकों की आवश्यकता है। इनमें से एलएंडटी-डीआरडीओ 59 टैंकों का निर्माण करेगी, जबकि बाकी टैंकों का उत्पादन अन्य भारतीय कंपनियों द्वारा बोली प्रक्रिया के बाद किया जाएगा।

## कोलकाता केस में संदीप घोष, एसएचओ गिरफ्तार

● सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप; प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने खुशी मनाई

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता रेप-मर्डर केस मामले में शनिवार को सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और एक थाने के एसएचओ अभिजीत मंडल को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। अभिजीत मंडल ताला पुलिस स्टेशन में स्टेशन हाउस ऑफीसर के पद पर तैनात हैं। शनिवार देर रात उसे मेडिकल टेस्ट के लिए बीआर सिंह

अस्पताल लाया गया। इसके बाद सीबीआई उसे कोलकाता के स्पेशल क्राइम ब्रांच ले गई। संदीप घोष और अभिजीत मंडल की गिरफ्तारी के बाद स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रर्दशन कर रहे डॉक्टरों ने खुशी मनाई। डॉक्टरों ने तालियां बजाकर और नारे लगाकर सीबीआई के इस कदम की सराहना की। आरजी कर मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी संजय रॉय को कोलकाता पुलिस ने वारदात के दूसरे दिन गिरफ्तार किया था। वहीं, संदीप घोष को सीबीआई पहले ही आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। सीबीआई ने उनका पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# स्वदेशी एआई बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाएं

यह नए ज्ञान के निर्माण और अनुप्रयोगों को विकसित करने और तैनात करने के माध्यम से प्रौद्योगिकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सरकार का मुख्य जोर डेटा की गुणवत्ता को बढ़ाना और स्वदेशी एआई तकनीक को विकसित करने पर होना चाहिए। साथ ही शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना और प्रभावशाली एआई स्टार्टअप को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक होगा। इस दिशा में समग्र प्रयासों से ही भारत आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया के तकनीकी रूप से उन्नत देशों को टक्कर दे पाएगा।

**मुकुल व्यास**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है। अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं। वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है। आज पूरी दुनिया में एआई हावी है। इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा। भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद,भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है। अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं। एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है। अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है। अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है। चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है। दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं। 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं। इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं। रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है।

इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है। ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना।

अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है। आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है।

बिट्स पिलानी के कुलपति वी . रामगोपाल राव का कहना है कि अमेरिका और चीन जैसे देशों ने उच्च शिक्षा और बड़े संस्थानों में भारी निवेश किया है। बिट्स पिलानी, एआई शोध में देश के शीर्ष 20 स्कूलों में एकमात्र निजी संस्थान है। उन्होंने कहा कि चीन अकेले पेकिंग और सिंघुआ विश्वविद्यालयों पर जो खर्च करता है, वह भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा बजट के बराबर है। इसलिए कुछ विश्वविद्यालय होने चाहिए जिन्हें प्राथमिकता दी जाए और फिर आप वहां क्षमता का निर्माण करें। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा चीन ने किया।

राव ने उच्च शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रति

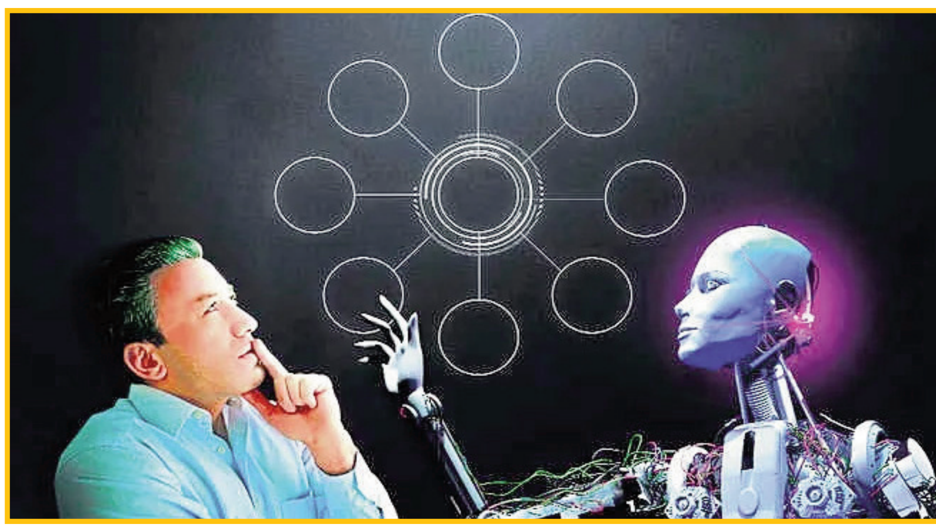

दस लाख लोगों पर 255 शोधकर्ता हैं, जबकि अमेरिका जैसे देशों में 4,245 है। उन्होंने कहा, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, भारत में उच्च शिक्षा में निवेश कम हो रहा है। चेंज इंजिन के संस्थापक वरुण अग्रवाल ने कहा कि बुनियादी एआई शोध में क्षमता एआई अनुप्रयोगों और प्रसार के अलावा भारत के दीर्घकालिक नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अगले 5 वर्षों में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए कम से कम 4 प्रतिशत की वृद्धि दर की आवश्यकता है। इसका भारतीय नवाचार पर उत्प्रेरक प्रभाव पड़ेगा। एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं। यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा। नीति आयोग के अनुसार, 2035 तक, एआई में भारत की अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन उन प्रयासों पर केंद्रित है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट शहरों और स्मार्ट मोबिलिटी और परिवहन सहित बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में भारत को लाभान्वित करेंगे। दरअसल, यह मिशन राष्ट्रीय स्तर पर कोर अनुसंधान क्षमता विकसित करने पर व्यापक शिक्षा-उद्योग बातचीत के साथ काम करेगा। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल होंगे। यह नए ज्ञान के निर्माण और अनुप्रयोगों को विकसित करने और तैनात करने के माध्यम से प्रौद्योगिकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सरकार का मुख्य जोर डेटा की गुणवत्ता को बढ़ाना और स्वदेशी एआई तकनीक को विकसित करने पर होना चाहिए। साथ ही शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना और प्रभावशाली एआई स्टार्टअप को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक होगा। इस दिशा में समग्र प्रयासों से ही भारत आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया के तकनीकी रूप से उन्नत देशों को टक्कर दे पाएगा।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

## संपादकीय

# बुढ़ापे का सुरक्षा कवच

ऐसे वक्त में जब भारतीय परिवारों के स्वरूप में बदलाव के बाद करोड़ों बुजुर्ग एकाकी जीवन बिता रहे हैं और उनके पास महंगे इलाज के लिये पर्याप्त जमा पूंजी नहीं है, वे अब भविष्य की चिंताओं से कुछ मुक्त हो सकते हैं। निस्संदेह, बुढ़ापा भी अपने आप में एक रोग है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग कहते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि करीब साढ़े चार करोड़ परिवार इस योजना में शामिल होंगे। इन परिवारों के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में वायदा किया था कि सरकार बनने के बाद आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाकर इसमें सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाएगा। अब चाहे उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। अब इस योजना के तहत उन्हें अलग से कार्ड जारी किए जाएंगे। निश्चित रूप से देश में सामाजिक रूप से तेजी से बदलाव आ रहा है। संयुक्त परिवारों की जगह अब एकल परिवार ले रहे हैं। बच्चे सीमित संसाधनों व अन्य कारणों से अपने बुजुर्ग माता-पिता का पूरी तरह ख्याल रखने में सक्षम नहीं दिखते। ऐसे में वृद्धों के लिये यह कदम सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि जो कमजोर वर्ग के वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले रहे थे, उन्हें पांच लाख रुपये टॉप-अप कवर मिल सकेगा। वहीं योजना के विस्तार में प्रावधान है कि यदि परिवार में 70 साल के दो बुजुर्ग हैं तो इस योजना का लाभ उन्हें साझा रूप में मिलेगा। वहीं दूसरी ओर सत्तर साल से अधिक उम्र के वे वरिष्ठ नागरिक जो पहले ही केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं तथा दूसरी सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, वे अपनी पुरानी योजना या नई योजना का विकल्प चुन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना का व्यय केंद्र व राज्य सरकारें मिल कर उठाती हैं। वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है।

# चिंता का सबब बनता ओजोन परत का क्षरण

ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पराबैंगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती है और ये परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊंचाई पर वायुमण्डल के समताप मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झीना सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यही वह परत है, जो पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिसे ओजोन परत भी कहा जाता है।

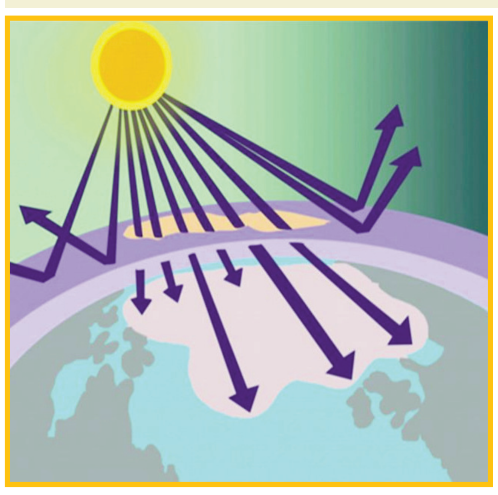

**(लेखक- योगेश कुमार गोयल)**

**(विश्व ओजोन दिवस (16 सितम्बर) पर विशेष)**

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल- जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना'। विश्व ओजोन दिवस का यह विषय ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु कार्रवाई पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी।

विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुंचने वाली पराबैंगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं।

ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पराबैंगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती है और ये परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊंचाई पर वायुमण्डल के समताप मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झीना सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यही वह परत है, जो पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिसे ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन गैस प्राकृतिक रूप से बनती है। निचले वातावरण में पृथ्वी के निकट ओजोन की उपस्थिति प्रदूषण बढ़ाने वाली और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक लेकिन ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत की उपस्थिति पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक है। जब सूर्य की किरणें वायुमंडल में ऊपरी सतह पर ऑक्सीजन से टकराती हैं तो उच्च ऊर्जा विकिरण के कारण इसका कुछ हिस्सा ओजोन में परिवर्तित हो जाता है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों के लिए एक अच्छे फिल्टर के रूप में कार्य करती है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली पराबैगनी किरणों का लगभग 99 फीसदी भाग ओजोन मंडल द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राणी एवं वनस्पति सूर्य के तेज ताप और विकिरण से सुरक्षित हैं और इसी कारण ओजोन परत को सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। यही कारण है कि प्रायः कहा जाता है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

## विचार मंथन

# 70 साल के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड

**(लेखक- सनत जैन)**

केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल के बुजुर्गों को 5 लाख रूपये का बीमा देने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा यह कहा गया है, कि किसी भी अस्पताल में 5 लाख रूपये तक का इलाज, कोई भी बुजुर्ग,बिना किसी भेदभाव के, अमीर हो या गरीब सभी को मिलेगा। सेवानिवृत्ति सभी वर्ग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार हुजुर्गों के लिए अलग से आयुष्मान कार्ड तैयार कर रही है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सांख्यिकी विभाग और निर्वाचन आयोग से 70 साल के बुजुर्गों का डेटा मांगा है। केंद्र सरकार ने 2021 की स्थिति में देश के सभी बुजुर्गों का डेटा लेकर उन सभी के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। 2024 में जिन लोगों की आयु 70 वर्ष हो चुकी होगी उनके अलग से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। सरकार का कहना है, पति हो या पत्नी, दोनों के ही अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनेंगे। दोनों को ही पांच-पांच लाख रुपए के इलाज की सुविधा होगी। बुजुर्ग को हर अवस्था में बीमारी का इलाज मिल सके। अस्पतालों में जिस तरह की लूट खसोट और धोखाधड़ी का माहौल है। इलाज के रेट बड़ी तेजी के साथ, पिछले कई वर्षों में कई गुना बढ़ें हैं। आयुष्मान कार्ड या बीमा कार्ड होने पर अधिकतम से अधिकतम खर्च अस्पतालों द्वारा वसूला जाता है। जिसके कारण बुजुर्गों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। केंद्र सरकार को इस दिशा में भी ध्यान देने की जरूरत है। इलाज अच्छा हो, इलाज के दौरान किसी तरह की बेईमानी ना हो। पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों और अस्पतालों द्वारा जिस तरह की लूट की जा रही है। इसको लेकर बुजुर्गों में हर समय चिंता बनी रहती है। चिकित्सा में जिस तरह की सावधानी जरूरी होती है, विशेषज्ञों द्वारा सही तरीके से मरीजों का उपचार हो। इस दिशा मे डॉक्टर और अस्पतालों का जिम्मेदार होना जरूरी है। बहरहाल जिस तरह से बुजुर्गों की संख्या साल दर साल बढ़ती चली जा रही है। उसको देखते हुए,केंद्र सरकार द्वारा जो नई योजना बनाई गई है। उसकी प्रशंसा करनी ही होगी। समय रहते सरकार ने बुजुर्गों के ऊपर ध्यान दिया है। इस सुविधा से उनका जीवन पहले की तुलना में बेहतर होगा। बुजुर्गों की एक सबसे बड़ी मांग यह भी है। रेल एवं बस यात्रा में जो रियायत पहले मिलती थी। उसको पुनः शुरू किया जाए। इलाज, सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों के लिए जब बुजुर्ग यहां से वहां जाते हैं। उस समय उनका बहुत सारा पैसा यात्रा की टिकट के रूप में चला जाता है। केंद्र सरकार को बुजुर्गों के लिए रियायती दर पर रेल और बस की सुविधा जल्द शुरू करने की जरूरत है। सरकार यह निर्णय लेगी तो बुजुर्गों को राहत मिलेगी। सरकार को जिम्मेदारी तय करनी पड़ेगी, भारत के किसी भी अस्पताल में बुजुर्गों को बेहतर इलाज मिले। उनकी अच्छी देखरेख हो। ऐसा हुआ तो सरकार ने जो योजना बनाई है। वह सार्थक सिद्ध होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद भी मिलेगा।

**जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट का अजीबो गरीब फैसला**

जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की एकल बेंच ने यौन उत्पीड़न के आरोप में वायु सेवा के विंग कमांडर को सशक्त जमानत दी है। जमानत देने के पीछे हाईकोर्ट ने कहा है, याचिका करता विग कमांडर के पद पर है। गिरफ्तारी के साथ ही उसकी प्रतिष्ठा के साथ उसका करियर भी खत्म हो जाएगा। अदालत ने 50000 रूपये की जमानत स्वीकार करते हुए विग कमांडर के ऊपर कुछ शर्त लगाई हैं। उल्लेखनीय है, यौन उत्पीड़न का आरोप एक महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने विग कमांडर पर लगाया था।

इसकी रिपोर्ट महिला ने श्रीनगर थाने में दर्ज कराई है। आरोपी और महिला दोनों ही श्रीनगर में तैनात हैं। हाईकोर्ट ने आरोप पत्र दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। यह अपनी तरह का एक पहला मामला है। जिसकी सभी ओर चर्चा हो रही है। इस तरह का मामला अभी तक देखने में नहीं आया है।

# सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ बढ़ा

### - सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही

**मुंबई ।**

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,01,552.69 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,282.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,30,490.20 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल ही रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,662.44 करोड़ रुपये बढ़कर 8,80,867.09 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 23,427.12 करोड़ रुपये बढ़कर 16,36,189.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 22,438.6 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,358.33 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 22,093.99 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,70,035.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,480.49 करोड़ रुपये बढ़कर 8,07,299.55 करोड़ रुपये पर और आईटीसी की 15,194.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,42,531.82 करोड़ रुपये हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 9,878.19 करोड़ रुपये बढ़कर 19,92,160.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 7,095.07 करोड़ रुपये बढ़कर 7,05,535.20 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 3,004.38 करोड़ रुपये घटकर 6,54,004.76 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

# एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जल्द बड़ा आईपीओ लांच करेगी

**नई दिल्ली ।**

दक्षिण कोरिया की एमएनसी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने उत्पादों की लोकप्रियता को भुनाने के लिए एक बड़ा आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1 से 1.5 अरब डॉलर का आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके लिए उसने बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप इंक, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े बैंकों का चयन किया है। इस आईपीओ के जरिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की वैल्यूएशन लगभग 13 अरब डॉलर तक हो सकती है। भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी यहां अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ 2024 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, हालांकि इसकी तारीख और साइज में बदलाव संभव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आईपीओ से संबंधित दस्तावेज अगले महीने स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कर सकती है। इसके अलावा कंपनी अन्य बैंकों, जिनमें कुछ भारतीय बैंक भी शामिल हो सकते हैं, को इस

आईपीओ में जोड़ने की योजना बना रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक अपना रेवेन्यू 75 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत का बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है और हाल ही में हुंडई मोटर कंपनी ने भी अपने आईपीओ की योजना का खुलासा किया था।

# अदाणी ग्रुप ने 6,600 मेगावाट बिजली आपूर्ति की बोली जीती, जेएसडब्ल्यू को पछाड़ा

### कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई

**नई दिल्ली ।** अदाणी समूह ने महाराष्ट्र को दीर्घावधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा और ताप बिजली की आपूर्ति की बोली जीत ली है। इससे राज्य को भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई और जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टॉरेंट पावर को पीछे छोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि 25 साल के लिए नवीकरणीय और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति के लिए अदाणी समूह की बोली महाराष्ट्र द्वारा फिलहाल खरीदी जा रही बिजली की दर से एक रुपये यूनिट कम है। आशय पत्र (एलओआई) जारी होने की तारीख से 48 माह में बिजली की आपूर्ति शुरू होनी है। बोली शर्तों के अनुसार अदाणी पावर पूरी आपूर्ति अवधि के दौरान सौर बिजली की आपूर्ति 2.70 रुपये प्रति यूनिट की दर पर करेगी। वहीं कोयले से उत्पादित बिजली का दाम कोयला कीमतों के आधार पर निर्धारित (इंडेक्स्ड) किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) ने मार्च में सूरज की रोशनी से उत्पन्न 5,000 मेगावाट बिजली और कोयले से उत्पन्न 1,600 मेगावाट बिजली की खरीद के लिए एक विशिष्ट निविदा निकाली थी। इसे लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले जारी किया गया था और राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले इसे अदाणी को दे दिया गया है। इस निविदा में व्यस्त समय में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक अदाणी पावर ने अनुबंध जीतने के लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई। वहीं दूसरी सबसे कम बोली 4.36 रुपये प्रति यूनिट जेएसडब्ल्यू एनर्जी की थी। यह महाराष्ट्र में पिछले साल खरीदी गई औसत बिजली कीमत 4.70 रुपये प्रति यूनिट से कम है। महाराष्ट्र बिजली नियामक आयोग (एमईआरसी) ने 2024-25 के लिए बिजली खरीद की औसत कीमत 4.97 रुपये प्रति यूनिट तय की है। इस तरह अदाणी द्वारा लगाई गई बोली इससे एक रुपये प्रति यूनिट के करीब कम है। कुल मिलाकर चार कंपनियों ने 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति की निविदा में भाग लिया।

# इस सप्ताह 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने 229 मिलियन डॉलर फंडिंग जुटाई

### - 182.65 मिलियन डॉलर के छह विकास-चरण सौदे शामिल थे

**नई दिल्ली ।**

इस सप्ताह लगभग 24 घरेलू स्टार्टअप ने 229 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग प्राप्त की, जिसमें 182.65 मिलियन डॉलर के छह विकास-चरण सौदे शामिल थे। इस सप्ताह में 46.14 मिलियन मूल्य के 13 प्रारंभिक चरण के सौदे हुए। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप आठ सौदों के साथ आगे रहे, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता रहे। फंडिंग की गति का नेतृत्व मोबाइल विज्ञापन नेटवर्क सॉफ्टवेयर इनमोबी ने किया, जिसने डेट फंडिंग राउंड में 100 मिलियन डॉलर जुटाए, इसके बाद एमएसएमई-केंद्रित फिनटेक ऋणदाता फ्लेक्सीलोन्स ने 35 मिलियन डॉलर हासिल किए। जहां कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा मंच ऑनसुरिटी ने 21 मिलियन डॉलर हासिल किए, वहीं आध्यात्मिक टेक स्टार्टअप एप्सफार भारत ने 18 मिलियन डॉलर जुटाए। अन्य फंडिंग के अलावा, उपभोक्ता ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म मनीव्यू को इस सप्ताह 4.65 मिलियन और एचआरटेक प्लेटफॉर्म एचआरवन को 4 मिलियन प्राप्त हुए। पिछले आठ सप्ताहों में प्रति सप्ताह 26

सौदों के साथ औसत फंडिंग 331 मिलियन से अधिक रही। ई-कॉमर्स स्टार्टअप्स ने 5 सौदों के साथ फंडिंग का नेतृत्व किया, इसके बाद फिनटेक, हेल्थटेक और क्लीनटेक स्टार्टअप्स रहे। विलय और अधिग्रहण के बीच नाज़ारा टेक्नोलॉजीज ने पोकरबाज़ी की मूल कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपए में नियंत्रण हिस्सेदारी ले ली। गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया कंपनी ने द्वितीयक लेनदेन के माध्यम से 832 करोड़ रुपए में मूनशाइन में 47.7 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया और अनिवार्य परिवर्तनीय वरीयता शेयरों के माध्यम से प्राथमिक पूंजी में 150 करोड़ रुपए लगाने की घोषणा की। ई-कॉमर्स सक्षम कंपनी गो विक ने एक वैश्विक रिटर्न प्रबंधन ऐप, रिटर्न प्राइम का अधिग्रहण किया।

# राजस्थान बन रहा निवेशकों की पहली पसंद: मुख्यमंत्री भजनलाल

**जयपुर ।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान समिट के लिए समस्त अधिकारीगण टीम भावना के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स मीट के आयोजन से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। शर्मा हाल ही में मुख्यमंत्री आवास पर राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि इस समिट के सफल आयोजन के लिए तय समय में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स मीट के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी।

इसके लिए जिला कलक्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में विभिन्न देशों एवं देश के विभिन्न राज्यों में जाकर निवेशकों के साथ बैठक करने वाले अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

# जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्री समूह के संयोजक होंगे वित्त राज्यमंत्री

**नई दिल्ली ।**

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर काम कर रहे मंत्री समूह (जीओएम) के संयोजक हो सकते हैं। इसमें राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि संदर्भ की शर्तें (टीओआर) और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी है। जीओएम को यह सुझाव देना होगा कि अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर एकत्रित उपकर को केंद्र और राज्यों के बीच कैसे बांटा जाएगा। साथ ही जीओएम इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के सदस्यों पर निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन चूंकि मुद्दा उपकर के संबंध में है, जो केंद्र द्वारा एकत्र किया जाता है, और इसका बंटवारा होगा, ऐसे में जीओएम में केंद्र से भी एक सदस्य होगा। आमतौर पर जीओएम के सबसे वरिष्ठ सदस्य को इसका संयोजक बनाया जाता है। इसलिए, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के जीएसटी मुआवजा उपकर पर जीओएम के संयोजक होने की संभावना है।

# नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, निर्यात घटा

**नई दिल्ली ।** देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 2024 के वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में 14.3 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के निर्यात में ` गिरावट देखी गई है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने गुजरात में अपनी वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित समस्त डीजल का 75 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा। वहीं 60 प्रतिशत पेट्रोल की बिक्री भारतीय बाजार में हुई। पिछले कुछ वर्षों में नायरा एनर्जी ने अपने ईंधन खुदरा नेटवर्क को रणनीतिक रूप से कम पहुंच वाले बाजारों तक विस्तारित करते हुए अपने घरेलू कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाया है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून में उसकी खुदरा डीजल बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 20.8 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में यह 18.2 लाख टन थी। इस दौरान कंपनी के संस्थागत कारोबार की वृद्धि 23 प्रतिशत रही। इसी तरह दूसरी तिमाही में कंपनी की पेट्रोल की खुदरा बिक्री 14.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 लाख रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.09 लाख टन थी। नायरा एनर्जी पूरे भारत में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़े निजी खुदरा नेटवर्क का परिचालन करती है। घरेलू बाजार में मजबूत मांग के बीच अप्रैल-जून में नायरा का पेट्रोल निर्यात कुल पेट्रोल बिक्री में 21 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 36 प्रतिशत था। नायरा ने अप्रैल-जून में 13.6 लाख टन ईंधन का निर्यात किया। इसमें 6.5 लाख टन हिस्सा डीजल का रहा।

# वेनम एफ5-एम रोडस्टर है अमेरिकी कंपनी की शानदार कार

**नई दिल्ली ।** अमेरिकी कार निर्माता कंपनी हेनेसी स्पेशल व्हीकल्स की नवीनतम पेशकश, वेनम एफ5-एम रोडस्टर है जो कि सड़क पर फाइटर जेट जैसी खूबसूरती और अविश्वसनीय ताकत लेकर आई है। हेनेसी का दावा है कि वेनम एफ5-एम रोडस्टर अब तक की सबसे ताकतवर मैन्युअल ट्रांसमिशन कार है।यह कार केवल 12 यूनिट्स की लिमिटेड एडिशन में बनाई जा रही है, और इसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसका डिजाइन पूरी तरह से कार्बन फाइबर से तैयार किया गया है, जो इसे हल्का और मजबूत बनाता है। कार की छत एक फाइटर जेट की तरह ऊपर की ओर खुलती है, और इसमें केवल एक व्यक्ति के बैठने की जगह है, जो इसकी एकल सवारी के अनुभव को विशेष बनाता है। इसकी ताकत की बात करें तो वेनम एफ5-एम रोडस्टर में 6 ट्रांसमिशन फ्यूरी वी8 इंजन है, जो 1,817 बीएचपी की शक्ति उत्पन्न करता है। इसके मुकाबले, एक डबल डेकर ट्रक का इंजन आमतौर पर 600 बीएचपी की शक्ति जनरेट करता है, जिससे यह कार ट्रक से तीन गुना ज्यादा ताकतवर साबित होती है। इसके अलावा, यह कार महज कुछ सेकंड में 357 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकती है, जो इसे सुपर-फास्ट बनाती है। कार के कॉकपिट को एल्यूमिनियम और कार्बन फाइबर से बनाया गया है, जिससे यह मजबूत होने के साथ-साथ हल्का भी है। गियर नॉब पर इस्तेमाल किए गए मैटेरियल की टच फिल को लेकर ड्राइवर को एक शानदार अनुभव मिलता है। हेनेसी ने पहले ही वेनम एफ5 कूप की 24 यूनिट्स बाजार में उतारी हैं, और अब वेनम एफ5-एम रोडस्टर की सभी 12 यूनिट्स बिक चुकी हैं। हेनेसी के फाउंडर और सीईओ जॉन हेनेसी ने कहा, हम दुनिया की सबसे ताकतवर मैन्युअल कार पेश करके बेहद उत्साहित हैं। हमारी योजना इसकी 30 यूनिट्स बनाने की है, और हर कार की रंग योजना विशेष रूप से हर मालिक के लिए अलग होगी।

# फेड के ब्याज दर पर फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

### - विदेशी निवेशकों का प्रवाह और कच्चे तेल के भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे

**मुंबई ।**

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर कई वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उल्लेखनीय रहा। गुरुवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। उसी दिन बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने पहली बार 83,000 अंक के स्तर को पार किया। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह साल का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहा है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 18 सितंबर को होगी। यह लगभग तय है कि इससे ब्याज दर में कटौती चक्र की शुरुआत होगी। अमेरिका में आम सहमति ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती को लेकर है। हालांकि कुछ बाजार भागीदार ब्याज दर में आधा प्रतिशत कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का कदम वैश्विक बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संकेतक होगा, खासकर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए। इससे डॉलर

कमजोर होगा और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में कमी आएगी, जिससे भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान के मुद्रास्फीति आंकड़े शुक्रवार को आने हैं, जिसके बाद बैंक ऑफ जापान (बीओजे) की मौद्रिक नीति की घोषणा होगी।उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों का प्रवाह, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल के दाम भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे भारत की थोक मुद्रास्फीति, अमेरिका के औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय तथा अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़ों से तय होगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें, तो यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा 18 सितंबर को होगी। घरेलू स्तर पर बाजार भागीदारों की निगाह थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी कोषों के प्रवाह पर रहेगी। 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में एक जो प्रमुख बात रही, वह यह कि एफआईआई ने सप्ताह के सभी दिन लिवाली की। उन्होंने कहा कि दो कारण हैं कि एफआईआई ने अपनी रणनीति को बदल दिया है। अब इस बात पर आम सहमति है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक इस महीने से दरों में कटौती शुरू कर देगा, जिससे अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल घट जाएगा। इससे उभरते बाजारों में निवेश बढ़ेगा। दूसरा, भारतीय बाजार काफी जुझारू है और यदि एफआईआई यहां निवेश नहीं करते हैं, तो यह एक खराब रणनीति होगी।

# बच्चों के लिए चलता है संचायिका नाम से एक बैंक

### - पोस्ट ऑफिस में जमा होती हैं बचत

**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय बचत संस्थान (एनएसआई) की ओर से हर साल 15 सितंबर को संचायिका दिवस के रूप में बनाया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को बैंकिंग और अकाउंटिंग सिस्टम की जानकारी देने के साथ उनमें सेविंग की आदत को बढ़ावा देना है, जिससे वे अपने भविष्य में सेविंग कर अच्छे नागरिक बन देश के विकास में योगदान दे सके। संचायिका एक धन प्रणाली है। कह सकते हैं कि इसके जरिए बच्चों को बचत का ककहरा सिखाया जाता है। बचत का महत्व समझ पाते हैं। इस योजना के तहत बच्चे खाते में पैसे जमा कर सकते हैं और उस पर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का विचार पहली बार 1960 के दशक में आया था। संचायिका नाम से एक बैंक भी है जो कि छात्रों द्वारा छात्रों के लिए चलाया जाता है। राष्ट्रीय बचत संस्थान की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक संचायिका बैंक में छात्रों द्वारा एकत्रित की जाने वाली राशि पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट मे जमा किया जाता है। इस खाते को बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा चलाया जाता है, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल या हेड मास्टर और स्कूल या कॉलेज के दो छात्र होते हैं। इस खाते के लिए छात्रों से संग्रह किसी एक निश्चित दिन किया जाता है और इसकी एंट्री भी पासबुक में की जाती है और फिर पासबुक को छात्रों को लौटा दिया जाता है। इस खाते में जमा राशि पर बच्चों को ब्याज भी दिया जाता है। संचायिका दिवस को केंद्र सरकार के ज्यादातर स्कूल और कॉलेजों में मनाया जाता है। इस दिन को छात्रों में बचत की आदत शुरू करने के दिन के रूप में देखा जाता है। इससे छात्र कम उम्र में ही पैसे बचाने के महत्व को समझ जाते हैं।

# बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

### - खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि का विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 180-135 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235 रुपये, 1,525 रुपये बढ़कर क्रमशः11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद

हुआ। वहीं आयात शुल्क वृद्धि के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 1,675 रुपये की तेजी के साथ 11,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,500 रुपये के सुधार के साथ 12,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,350 रुपये के सुधार के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।नाममात्र स्टॉक के बीच मांग निकलने से बिनौला तेल 950 रुपये के सुधार के साथ 11,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

# बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने ग्राहकों की जरूरत अनुरूप खुद को ढालना चाहिए: सीईए

**चेन्नई ।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ग्राहकों की बदलती जरूरतों और बाजार में आ रहे बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम में आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग: वृद्धि और रुझान' विषय पर अपने संबोधन में नागेश्वरन ने उद्योग में वृद्धि और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के महत्व को रेखांकित किया। बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार सीईए ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बैंकों को बदलती ग्राहक प्राथमिकताओं और बाजार की गतिशीलता के अनुरूप खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने ज्ञान साझा करने और उत्कृष्टता में निवेश करने के प्रयासों के लिए इंडियन बैंक की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के बैंक के एमएसएमई प्रेरणा कार्यक्रम को भी सराहा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एसएल जैन ने अपने संबोधन में कहा` कि डॉ. नागेश्वरन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र पर इसके प्रभाव को लेकर अपने जो विचार साझा किए गए हैं, उसका सभी भागीदारों को लाभ होगा। इससे वे चुनौतियों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

# एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जल्द बड़ा आईपीओ लांच करेगी

**नई दिल्ली ।**

दक्षिण कोरिया की एमएनसी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने उत्पादों की लोकप्रियता को भुनाने के लिए एक बड़ा आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1 से 1.5 अरब डॉलर का आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके लिए उसने बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप इंक, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े बैंकों का चयन किया है। इस आईपीओ के जरिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की वैल्यूएशन लगभग 13 अरब डॉलर तक हो सकती है। भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी यहां अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ 2024 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, हालांकि इसकी तारीख और साइज में बदलाव संभव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आईपीओ से संबंधित दस्तावेज अगले महीने स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कर सकती है। इसके अलावा कंपनी अन्य बैंकों, जिनमें कुछ भारतीय बैंक भी शामिल हो सकते हैं, को इस आईपीओ में जोड़ने की योजना बना रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक अपना रेवेन्यू 75 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत का बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है और हाल ही में हुंडई मोटर कंपनी ने भी अपने आईपीओ की योजना का खुलासा किया था।

# टीम इंडिया की प्रैक्टिस शुरू, विराट-रोहित ने पहले दिन तोड़ा नेट

**हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी )।** चेन्नई (तमिलनाडु) ¬ टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट को लेकर अभ्यास सत्र शुरू किया। मुख्य कोच गौतम गंभीर का लक्ष्य अपने पहले टेस्ट मैच में सीरीज जीतना है। बहरहाल, अभ्यास सत्र में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन चौकड़ी, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पसीना बहाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक एक्स हैंडल ने अभ्यास सत्र से फुटेज साझा करते हुए ट्वीट किया, 'चेन्नई में तैयारी पूरी तरह से जोरों पर है! #INDvBAN टेस्ट ओपनर#TeamIndia|

रोहित टेस्ट टीम का नेतृत्व जारी रखेंगे। तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में हुई जानलेवा दुर्घटना के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में लौटे हैं। विराट कोहली इस साल जनवरी में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद पहली बार टेस्ट प्रारूप में वापसी करेंगे। वह अपने बेटे अकाय के जन्म के कारण इंग्लैंड के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। श्रीलंका दौरे पर कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वह अपनी फॉर्म दोबारा हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे।

टी20 विश्व कप में भारत के अजेय रहने के दौरान कोहली ने 8 मैचों में 18.87 की औसत से 151 रन बनाए थे। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह 3 मैचों में 58 रन ही बना सके। चोट के कारण इंग्लैंड सीरीज के अधिकांश मैचों से बाहर रहने के बाद केएल राहुल की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। जसप्री बुमराह भी लौट आए हैं।

अश्विन, जड़ेजा, अक्षर और कुलदीप की स्पिन चौकड़ी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देगी। बुमराह, मोहम्मद सिराज और यश दयाल भारत का तेज आक्रमण हैं। दलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद आकाश दीप को टीम में जगह मिली, जबकि यश दयाल को भी पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

### बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल , कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

# ट्रैविस हेड ने तोड़ा फिंच का कैलेंडर ईयर वाला रिकॉर्ड, बन गए नंबर वन

**कार्डिफ (एजेंसी )।** ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (ञ्जह्म्1ड्ढद्ब ॥द्गड्डस्र) ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है और टी20ई में अपने देश के लिए एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पीछे छोड़ दिया है। कार्डिफ में चिर-प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 में हेड ने यह रिकॉर्ड बनाया। हेड ने पहली पारी में अर्धशतक बनाया था। फिर दूसरे टी20 में हेड ने केवल 14 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 31 रन की शानदार पारी खेली।

इस साल हेड ने टी20ई में 33 छक्के लगाए हैं, जो एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा सबसे अधिक है। 2018 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने 31 छक्के लगाए थे। इस साल हेड ने 15 टी20 में 38.50 की औसत और 178.47 की स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 80 है।

ट्रैविस हेड ने मुकाबले के बाद कहा कि आप अपने विवेक से आगे बढ़ें। आप कोशिश करें और अपना सर्वश्रेष्ठ करें। मैक के लिए भी यह अच्छा है। हमारे पास काफी सकारात्मक चीजें थीं लेकिन हम जीत नहीं सके। हमारे पास बहुत सारे ऑलराउंडर हैं। दुर्भाग्य से जीत नहीं मिली लेकिन हम तीसरे टी20 में वापसी की कोशिश करेंगे।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट (24 गेंदों में 28), हेड (14 गेंदों में 31) ने 52 रन की शुरुआती साझेदारी की। जेक फ्रेजर मैकगर्क (31 गेंदों में 50) और जोश इंगलिस (26 गेंदों में 42) ने स्कोर 193/6 तक पहुंचाया। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान फिल साल्ट (23 गेंदों में 2 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 39 रन) ने सही इरादे से बल्लेबाजी की। मध्यक्रम में लिविंगस्टोन (47 गेंदों में 6 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 44 रन) के बीच 90 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को एक ओवर शेष रहते 3 विकेट से जीत दिलाने में मदद की। लिविंगस्टोन %प्लेयर ऑफ द मैच% रहे।

### दोनों टीमों की प्लेइंग 11

**ऑस्ट्रेलिया :** मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली, सीन एबॉट, एडम जम्पा

**इंग्लैंड:** फिलिप साल्ट (विकेटकीपर/कप्तान), विल जैक्स, जॉर्डन कॉक्स, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, आदिल राशिद, साकिब महमूद, रीस टॉपले

# फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता: शमी ने भारतीय टीम में वापसी पर दिया अपडेट

**कोलकाता (एजेंसी )।** भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी फिटनेस अपडेट देते हुए कहा कि वह जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन वह जल्दबाजी करके फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। शमी टखने की चोट से उबरने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं जिसने उन्हें पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से क्रिकेट से दूर रखा है। शमी वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। भारत के तेज गेंदबाज ने सर्जरी के बाद पहली बार जुलाई में गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपना गेंदबाजी कार्यभार बढ़ा रहे हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए शमी ने कहा कि वह वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 34 वर्षीय शमी ने कहा कि उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करने की जरूरत है ताकि कोई असुविधा न हो। शमी ने आईसीसी के हवाले से कहा, 'मैं जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं, क्योंकि मुझे पता है कि मैं काफी समय से मैदान से बाहर हूं। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि जब मैं वापस आऊं तो मुझे कोई असुविधा न हो। मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना है, ताकि कोई असुविधा न हो।' शमी ने भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे चरण के मैचों से पहले अपनी वापसी की योजना का खुलासा किया और कहा कि जब तक वह 100 प्रतिशत फिट नहीं हो जाते, तब तक वह कोई जोखिम नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं जितना मजबूत होकर वापसी करूंगा, मेरे लिए उतना ही बेहतर होगा। मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता और फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता, चाहे वह बांग्लादेश, न्यूजीलैंड या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हो। मैंने पहले ही गेंदबाजी शुरू कर दी है, लेकिन जब तक मैं 100 प्रतिशत फिट नहीं हो जाता, मैं कोई जोखिम नहीं लूंगा।'

# अगर भारत टेस्ट सीरीज हारा तो गवां देगा डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का टॉप स्थान

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम रहने वाली है। अगर भारत इस सीरीज में बांग्लादेश को हराता है तो वह एक कदम और डब्ल्यूटीसी फाइनल की ओर बढ़ा लेगा। वहीं इस सीरीज में एक भारत को तगड़ा झटका दे सकती है। जी हां, बांग्लादेश के खिलाफ एक मैच हारते ही भारत के सिर से डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 का ताज छिन जाएगा।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में फिलहाल भारत 68.52 फीसदी अंकों के साथ पहले पायदान पर बना हुआ है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 62.50 फीसदी अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। अगर बांग्लादेश को भारतीय सरजमीं पर एक भी मैच में जीत मिलती है इससे ऑस्ट्रेलिया को पूरा फायदा मिल जाएगा। पाकिस्तान दौरे पर बांग्लादेश के प्रदर्शन को देखते हुए भारत उसे हलके में नहीं लेगा। अगर रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैच की टेस्ट सीरीज में 0-1 से हार का सामना करना पड़ता है तो उनके खाते में 59 फीसदी ही अंक रह जाएंगे। वहीं बांग्लादेश टीम भारत को 0-2 से सीरीज हराती है तो टीम इंडिया के खाते में 56 फीसदी ही अंक रह जाएंगे। हालांकि ऐसा होना मुश्किल है क्योंकि भारत 2012 के बाद से घर पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। इसके अलावा अगर सीरीज के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहते हैं तो भी भारत को नुकसान उठाना पड़ेगा, इस स्थिति में टीम इंडिया के खाते में 62.12 फीसदी अंक ही रह जाएंगे। अगर इंडिया वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ भी रहती है तो भारत के खाते में 65.15 फीसदी अंक होंगे और टीम इंडिया नंबर-1 पर बनी रहेगी। वहीं भारत 1-0 से सीरीज जीतती है तो उनके खाते में 68.18 फीसदी अंक और 2-0 से जीतती है तो 74.24 फीसदी अंक होंगे।

# अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर नामित होने वाली पहली पाकिस्तानी महिला बनीं सलीमा इम्तियाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को बताया कि सलीमा इम्तियाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डेवलपमेंट अंपायरों के अंतरराष्ट्रीय पैनल में नामित होने वाली पहली पाकिस्तानी महिला बन गई हैं। पैनल में सलीमा के नामांकन का मतलब है कि अब वह महिलाओं के द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईसीसी की महिला प्रतियोगिताओं में अंपायरिंग करने की पात्र हैं। सलीमा ने एक बयान में कहा, 'यह सिर्फ मेरी जीत नहीं है, यह पाकिस्तान की हर महत्वाकांक्षी महिला क्रिकेटर और अंपायर की जीत है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरी सफलता उन अनगिनत महिलाओं को प्रेरित करेगी जो खेल में अपनी पहचान बनाने का सपना देखती हैं। यह क्षण क्रिकेट में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव और उस विकास को बढ़ावा देने के लिए पीसीबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' सलीमा की बेटी कैनात ने पाकिस्तान के लिए 40 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिसमें 19 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 21 टी20 शामिल हैं।

# गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दें : अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आक्रामक रुख अपनायेगी। जडेजा के अनुसार कोच गंभीर का अपना अलग ही तरीका है और उन्हें किसी सुझाव की जरुरत नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष स्तर पर है। इसलिए ये सोचना कि बांग्लादेश ने पाक को हराया है, इसलिए हमको भी कड़ी टक्कर देगी कहना सही नहीं होगा। जडेजा के अनुसार 19 सितंबर से शुरु हो रही इस सीरीज का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी आक्रामक रुख अपनाकर हावी रहेगी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। जडेजा ने कहा, 'गंभीर का रुख आक्रामक है। इसलिए एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने का प्रयास करेंगे।' उन्होंने कहा, 'गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको हैरान करेगा। जिस प्रकार हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। उसी प्रकार मैं उस रोमांचक क्षण का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।' जडेजा से जब यह पूछा गया कि वह इस टेस्ट सीरीज के लिए गंभीर को क्या सलाह देना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह सुझाव नहीं मांगेंगे. वह वहां इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपने को साबित किया है और उनका एक अलग अंदाज है।'

# कोरिया के खिलाफ फॉर्म में चल रही भारतीय टीम एसीटी हॉकी सेमीफाइनल में प्रबल दावेदार

**हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)।** ।शानदार फॉर्म में चल रही पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम यहां होने वाले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के खिलाफ प्रबल दावेदार होगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है, उसने पांचों लीग मैच जीते हैं। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान चीन पर 3-0 की जीत के साथ की। इसके बाद उसने जापान को 5-1 और मलेशिया को 8-1 से मात दी। भारतीय टीम ने कोरिया को 3-1 से हराने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। खिलाड़ियों ने प्रत्येक विभाग में बेहतर खेल दिखाया है, फिर चाहे अग्रिम पंक्ति हो या मिडफील्ड हो या फिर रक्षण। लीग चरण में भारत के लिए स्ट्राइकरों का प्रदर्शन अद्भुत रहा है। पेरिस में मैदानी गोल करना भारत के लिए चिंता का विषय था लेकिन यहां सुखजीत सिंह, अभिषेक, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल और अन्य की युवा स्ट्राइकरों ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है। युवा मिडफील्डर राज कुमार पाल ने भी कुछ अच्छे मैदानी गोल दागे। इसके अलावा अनुभवी मनप्रीत सिंह, उप कप्तान विवेक सागर प्रसाद और नीलकांत शर्मा ने मिडफील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

भारतीय डिफेंस भी दमदार रहा है जिसने केवल चार गोल गंवाये हैं। वहीं गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा ने टीम को करिश्माई पीआर श्रीजेश के संन्यास से पैदा हुए खालीपन को महसूस नहीं होने दिया। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने पेरिस की अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए पांच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

हरमनप्रीत को युवा जुगराज सिंह से अच्छा सहयोग मिल रहा है जो इस समय दुनिया के सबसे तेज ड्रैगफ्लिकर हैं। लेकिन नॉकआउट मुकाबला किसी भी टीम के लिए नयी शुरूआत होता है तो भारतीय टीम कोरिया को हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकी क्योंकि प्रतिद्वंद्वी टीम का दिन अच्छा रहे तो वह हैरान कर सकती है और उसने मलेशिया के खिलाफ अंतिम समय में बराबरी हासिल कर 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय डिफेंस को भी बहुत अधिक पेनल्टी कॉर्नर नहीं गंवाने के बारे में सतर्क रहना होगा क्योंकि सात गोल कर चुके टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर जिहुन यांग के रूप में कोरिया के पास एक मजबूत ड्रैगफ्लिकर है। दिन के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना मेजबान चीन से होगा। फाइनल मंगलवार को होना है।

# शुभमन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान आराम दिये जाने की संभावना

मुम्बई । बल्लेबाज शुभमन गिल को बांग्लादेश के खिलाफ सात अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत ही शुभमन को ये आराम दिया जा रहा है। शुभमन भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं और उनके इस सत्र में सभी 10 टेस्ट खेलने की उम्मीद है। इसी के तहत ही उन्हें तरोताजा और फिट बने रहने के लिए बोर्ड ने आराम देने का फैसला किया। बीसीसीआई की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत ही खिलाड़ियों को तय समय में ब्रेक दिया जाता है। भारतीय टीम को इस सत्र में अभी न्यूजीलैंड , ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों से खेलना है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'हां, शुभमन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। अगर आप मैचों की सूची देखें तो तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय सात अक्टूबर ग्वालियर, 10 अक्तूबर दिल्ली और 13 अक्तूबर हैदराबाद में खेले जाएंगे। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 16 अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा, 'इसलिए सिर्फ तीन दिन के अंतर के कारण शुभमन को आराम देना जरुरी है। शुभमन ने अब तक 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उनके नाम एक शतक और तीन अर्द्धशतक हैं। उन्होंने लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्हें हाल ही में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए कप्तान नियुक्त किया गया था जिसे भारत ने 4–1 से जीता था। मौजूदा सत्र में टी20 अंतरराष्ट्रीय भारतीय टीम के लिए सबसे कम महत्वपूर्ण हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से मिलने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक उसके लिए सबसे अहम हैं। साथ ही टीम के लिए एकदिवसीय प्रारूप भी महत्वपूर्ण है क्योंकि फरवरी–मार्च में चैंपियन्स ट्रॉफी इसी प्रारूप में खेली जाएगी। शुभमन के अलावा कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आराम दिया जा सकता है। भारतीय टीम अपने आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के साथ करेगी।

# बांग्लादेश की टीम चेन्नई पहुंची, भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

चेन्नई ¬ पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला में 2–0 की सफलता के बाद आत्मविश्वास से भरी बांग्लादेश की टीम दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 मैचों के लिए रविवार को भारत पहुंची, जहां कप्तान नजमुल हसन शंटो ने आने वाले सप्ताह में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से शुरू होने वाले शुरुआती टेस्ट के लिए रविवार दोपहर को चेन्नई पहुंची। ढाका से चेन्नई के लिए उड़ान भरने से पहले शंटो ने हवाई अड्डे पर कहा, 'यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण श्रृंखला होगी।' उन्होंने कहा, 'एक अच्छी श्रृंखला (बनाम पाकिस्तान) के बाद निश्चित रूप से टीम और देश के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रत्येक श्रृंखला एक अवसर है। हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे।'

# नीरज चोपड़ा एक सेंटीमीटर से खिताब से चूके, डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

**ब्रसेल्स (एजेंसी)।** भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग खिताब से एक सेंटीमीटर से चूक गए और शनिवार को सत्र के फाइनल में 87.86 मीटर के थ्रो के साथ लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान पर रहे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 वर्ष के चोपड़ा ने 2022 में ट्रॉफी जीती थी और पिछले साल दूसरे स्थान पर रहे थे।

उन्होंने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका लेकिन विजेता एंडरसन पीटर्स के 87.87 मीटर से एक सेंटीमीटर पीछे रह गए। दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के पीटर्स ने पहले ही प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जबकि सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.49 मीटर है। उन्होंने अपने छह प्रयास में भाले को 86.82 मीटर, 83.49 मीटर, 87.86 मीटर, 82.04 मीटर, 83.30 मीटर और 86.46 मीटर की दूरी तक फेंका। शीर्ष तीन में रहे खिलाड़ी सात खिलाड़ियों के फाइनल के दौरान पूरे समय इसी क्रम मे रहे। डायमंड लीग चैंपियन बनने पर पीटर्स को डायमंड लीग ट्रॉफी और 30 हजार डॉलर मिले।

फाइनल में दूसरे स्थान पर रहने के लिए चोपड़ा को 12 हजार डॉलर मिले। इसके साथ ही 14 चरण के बाद प्रतिष्ठित डाइमंड लीग और अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स सत्र का भी अंत हो गया। हरियाणा के चोपड़ा के प्रदर्शन में पूरे सत्र में निरंतरता दिखी। वह हालांकि इस दौरान सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय खिताब जीत सके जो उन्होंने 18 जून को फिनलैंड के तुर्कु में पावो नुर्मी खेलों के रूप में जीता। दोहा और लुसाने में क्रमशः 10 मई और 22 अगस्त को एकदिवसीय डायमंड लीग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान के साथ चोपड़ा ने ओवरॉल तालिका में 14 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए डाइमंड लीग फाइनल में जगह बनाई थी।

चोपड़ा इस सत्र में अपनी फिटनेस से जूझते रहे और संभावना है कि वह ग्रोइन की चोट के इलाज के लिए डॉक्टर से मिलेंगे। इस चोट ने पूरे सत्र में उन्हें प्रभावित किया है और 90 मीटर का थ्रो करने के उनके प्रयास में बाधा बनी है। शुक्रवार को राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 3000 मीटर स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले ने डायमंड लीग फाइनल में पहली बार खेलते हुए आठ मिनट 17.09 सेकेंड के औसत समय के साथ 10 खिलाड़ियों के बीच नौवां स्थान हासिल किया था। वह ओलंपिक खेलों में 11वें स्थान पर रहे थे। पहली बार डायमंड लीग फाइनल में दो भारतीयों ने हिस्सा लिया।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

# श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां य: ईश: स्वामी स: गणेश: से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश–स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग–भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छ: भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

## अलग–अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग–अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग–अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यत: दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

## भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता–पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता–पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता–पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

# कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अ ि ग न पुराण मे इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रात:काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

## व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी–तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है– हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है।

इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

# जानिए क्या है गणेश पुराण में

**गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में......**

## पहला खंड–आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

## दूसरा खंड– परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग–अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

## तीसरा खंड– माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

## चौथा खंड– युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

## पांचवां खंड– महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

# अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोडक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप–दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा–अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। ह्रदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्यय: पिता ॥
यत: सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मन: ।
ऋषिभि: परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट्?कारो भूतभव्यभवत्प्रभु: ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावन: ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति: ।
अव्यय: पुरुष: साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन–धान्य, यश–वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान में आंधी-तूफान कारण परिवार के 3 बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

**पेशावर, एजेंसी।** पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में आंधी-तूफान के कारण शुक्रवार देर रात एक मकान की छत ढहने से तीन बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चारसद्दा जिले के तुरंगजई गांव में भीषण तूफान आने से यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक दंपति और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। उसने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने शवों को मलबे से निकाला और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के.पी.के अली अमीन ने घटना पर दुख जताया और पीड़ित परिवार को नकद मुआवजा देने की घोषणा की।

### तख्तापलट के आरोप में 3 अमेरिकियों और 34 अन्य को मौत की सजा, इस देश की कोर्ट ने सुनाया फैसला

**किंशासा, एजेंसी।** कांगो की एक सैन्य अदालत ने तख्तापलट के प्रयास के मामले में दोषी ठहराए गए तीन अमेरिकी नागरिक सहित 37 लोगों को शुक्रवार को मौत की सजा सुनाई। जिन लोगों को सजा सुनाई गई उनमें ब्रिटेन, बेल्जियम और कनाडा के एक-एक नागरिक भी शामिल है। इनके अलावा कई कांगोवासियों को भी सजा सुनाई गई है। दोषी ठहराए गए लोग इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। इनके खिलाफ तख्तापलट के प्रयास के अलावा आतंकवाद, हत्या और आपराधिक गिरोह के साथ संलिप्तता के भी आरोप हैं। इस मामले में चौदह लोगों को बरी कर दिया गया। मई में राष्ट्रपति भवन और राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी के एक करीबी सहयोगी को निशाना बनाकर विपक्षी नेता क्रिश्चियन मलंगा के नेतृत्व में तख्तापलट का प्रयास किया गया जो कि असफल रहा, लेकिन इस दौरान छह लोगों की जान चली गई थी।

### मंकीपॉक्स से मिलेगी छुट्टी? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दी पहली वैक्सीन को मंजूरी

**जिनेवा, एजेंसी।** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को कहा कि उसने वयस्कों में एमपॉक्स के उपचार के वास्ते टीके के इस्तेमाल के लिए पहली मंजूरी दे दी है तथा उसने इसे अफ्रीका और अन्य स्थानों पर इस बीमारी का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। टीके को मंजूरी दिये जाने का मतलब है कि जीएवीआई वैक्सीन एलायंस और यूनिसेफ जैसे दानकर्ता इसे खरीद सकते हैं। लेकिन आपूर्ति सीमित है क्योंकि केवल एक ही निर्माता है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, ''एमपॉक्स के उपचार के लिए टीके के इस्तेमाल को मंजूरी मिलना इस बीमारी के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अनुमोदन के तहत, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों को दो खुराक वाला टीका लगाया जा सकता है। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अधिकारियों ने पिछले महीने कहा था कि कांगो (जो एमपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित देश है) में लगभग 70 प्रतिशत मामले 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में सामने आये हैं। डब्ल्यूएचओ ने पिछले महीने अफ्रीका के कई हिस्सों में एमपॉक्स के प्रसार और व्यापकता को देखते हुए दूसरी बार एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया था।

### जहरीला दूध पीने से एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत

**खैरपुर, एजेंसी।** पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जहर मिला दूध पीने से एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 19 अगस्त को खैरपुर के पास हैबत खान ब्रोही गांव में हुई। पीड़ितों की पहचान गुल बेग ब्रोही, उनकी पत्नी, पांच बेटे, तीन बेटियां और तीन अन्य रिश्तेदारों के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कुछ करीबी रिश्तेदारों ने आशंका जताई थी कि पीड़ितों को जहर दिया गया होगा क्योंकि परिवार के मुखिया का कुछ लोगों के साथ ज़मीन का विवाद था। पुलिस ने बताया कि सक्कूर स्थित रासायनिक प्रयोगशाला द्वारा की गयी जांच से पता चला है कि जिस दिन परिवार के सदस्यों की मौत हुई, उस दिन उन्होंने जो दूध पिया था, उसमें जहरीला पदार्थ था। उसने बताया कि रिपोर्ट में मृतकों के शरीर में जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की भी पुष्टि हुई है। खैरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. समीउल्लाह सूमरो ने कहा कि पुलिस मामले की हर कोण से जांच कर रही है।

# सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन से अमेरिकी चुनाव में वोट डालेंगी

**पृथ्वी से 400 किमी दूर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की, कहा- मुझे स्पेस में रहना पसंद**

**वाशिंगटन, एजेंसी।** 100 दिन से अंतरिक्ष में फंसीं भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात 12.15 बजे से हुई। सुनीता और बुच ने कई सवालों के जवाब दिए। दोनों ने कहा कि वे अमेरिकी चुनाव में स्पेस से वोटिंग करेंगे।

वोटिंग को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बुच ने कहा, उन्होंने आज ही वोट देने से जुड़ी चुनावी प्रक्रिया शुरू की है। यह एक जरूरी ड्यूटी है। नासा इस पर काम कर रहा है कि कैसे हम वोट दे सकें। सुनीता विलियम्स ने कहा कि वह स्पेस से वोटिंग करने को लेकर उत्साहित हैं। 400 किलोमीटर दूर स्पेस सेंटर से सुनीता और बुच ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए नासा से पोस्टल बैलट का अरेंजमेंट करने की रिक्वेस्ट की है।

सुनीता और बुच ने 5 जून को स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी। वे 6 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे ?थे। इन्हें 13 जून को वापस आना था। लेकिन, नासा के बोइंग स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण इनकी वापसी टाल दी गई। अब दोनों के 2025 में ही वापस आने की संभावना है।

### सुनीता और विल्मोर ने क्या-क्या कहा...

सुनीता ने कहा कि खराब हो चुके स्टारलाइनर को उनके बिना क्रूस्स से रवाना होते देखना दुखदायी था। हालांकि, उन्हें ऐसे हालात में रहने की ट्रेनिंग मिली है। उन्होंने कहा, मुझे स्पेस में रहना बहुत पसंद है। ये मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है।

सुनीता ने कहा कि आईएसएस उनके लिए खुशी की जगह है। अगर जरूरत पड़ती है तो हम यहां 8 महीने, 9 या 10 महीने भी रुक सकते हैं। लेकिन, परिवार और पेट डॉग्स की याद आती है।

सुनीता ने कहा कि वह एक ही मिशन पर दो अलग-अलग अंतरिक्ष यान उड़ाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, हम टेस्टर हैं, यही हमारा काम है।

बुच ने कहा- वे सुबह 4:30 बजे उठते हैं, जबकि सुनीता 6:30 बजे। अंतरिक्ष में रहने के कारण हड्डियों के घनत्व में होने वाले नुकसान से निपटने के लिए दोनों दो घंटे एक्सरसाइज करते हैं।

बुच ने कहा कि स्टारलाइनर के पहले टेस्ट पायलट के तौर पर उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उन्हें यहां लंबा वक्त गुजारना पड़ जाएगा। हालांकि, उन्हें पता था कि ऐसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनकी वजह से उनकी वापसी में देरी हो सकती है। इस पेशे में ऐसा होता है।

# हम किसी के एजेंट नहीं, बांग्लादेश छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे; हिंदुओं का मुहम्मद यूनुस को साफ संदेश

**चटगांव, एजेंसी।** पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ने के बाद वहां हिंदुओं की स्थिति बदतर होती जा रही है। उनपर लगातार हमले हो रहे हैं। अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर शुक्रवार को हजारों की संख्या में हिंदू ढाका और चटगांव की सड़कों पर आंदोलन किया। सरकार से इन हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की है। बारिश के बावजूद उन्होंने आठ सूत्री मांगों वाले पोस्टर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने हमलावरों को फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल के ज़रिए सजा देने की मांग भी की।

मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा टेलीविजन पर दिए गए भाषण में राष्ट्र को संबोधित करते हुए यह यह कहा गया था कि किसी को भी धार्मिक सद्भाव को ठेस पहुंचाने वाला कुछ भी काम नहीं करना चाहिए। इसके दो दिन बाद हिंदुओं ने वहां आंदोलन किया। चटगांव में हिंदुओं ने अल्पसंख्यक मामलों से निपटने के लिए एक अलग मंत्रालय और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें सहित कई मांगे सरकार से की है।

हिंदू प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक वे अपने घर नहीं लौटेंगे। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए मुआवज़ा और पुनर्वास की भी मांग की है। टारगेट किलिंग, लूटपाट और संपत्तियों के विनाश का ज़िक्र करते हुए उन्होंने एक अलग अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम की भी मांग वहां की वर्तमान सरकार से की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी के एजेंट के रूप में काम नहीं कर रहे हैं।

चटगांव में महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी जमाल खान क्षेत्र में एकत्र हुए और दोपहर 3 बजे से प्रदर्शन किया। खुद को बंगाली (बांग्लादेश के मूल निवासी) बताते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे इस भूमि को नहीं छोड़ेंगे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मीडिया की भूमिका पर नाराजगी व्यक्त की क्योंकि उनकी आवाज मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट के माध्यम से नहीं सुनी जाती है। एक ने अधिकारियों से अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में दैनिक प्रोथोम अलो की रिपोर्टों पर ध्यान देने का आग्रह किया। ढाका में भी प्रदर्शनकारियों ने शाम 4.30 बजे के आसपास इसी तरह की मांगों के साथ ऐतिहासिक शाहबाग चौराहे को घेर लिया। सुरक्षा बलों की निगरानी में सनातनी अधिकार आंदोलन के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कई हिंदू संगठन शामिल हैं।

### रूस पर मिसाइल हमले की तैयारी में नाटो! बाइडेन व ब्रिटिश पीएम ने की बैठक, पुतिन बोले- हर हमले का देंगे कड़ा जवाब

**मास्को, एजेंसी।** यूक्रेन को रूस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मिल सकती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ब्रिटेन इस पर विचार कर रहे हैं। अब तक इस तरह के हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध था, लेकिन यह पाबंदी जल्द हट सकती है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अगर यूक्रेन को ऐसी मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो इसे नाटो द्वारा रूस के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के रूप में देखा जाएगा। पुतिन ने चेतावनी दी कि इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन इन हथियारों का इस्तेमाल यूरोपीय या अमेरिकी सैटेलाइट की मदद के बिना नहीं कर सकता, क्योंकि यूक्रेन के पास इस तकनीक की कमी है। पुतिन का कहना है कि नाटो के प्रशिक्षित सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल सिस्टम्स का सही उपयोग कर सकते हैं, और यूक्रेनी सैनिक इसके संचालन में सक्षम नहीं हैं। हाल ही में, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी 11 सितंबर को यूक्रेन के दौरे पर गए थे, जिसके बाद यह चर्चा तेज हुई है। शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच व्हाइट हाउस में एक बैठक होनी है, जिसमें इस प्रतिबंध को हटाने पर विचार किया जाएगा।

# पूर्व पीएम इमरान खान ने किया आंदोलन का आह्वान, कहा- देश की आजादी की रक्षा के लिए लड़ाई जरूरी

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी पार्टी पीटीआई के सदस्यों से राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सड़क पर उतरने के लिए तैयार रहें। देश की आजादी की रक्षा के लिए लड़ाई जरूरी है।

अदियाला जेल में मीडिया से बात करते हुए पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा कि हमारा आंदोलन लोकतंत्र के लिए जिहाद है। मैं पूरे देश से हमारी आजादी को बचाने के लिए सड़कों पर उतरने का आह्वान करता हूं। खान ने विशेष न्यायाधीश हुमायूं दिलावर पर उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कैद करने के पीछे होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हुमायूं दिलावर को हमारे खिलाफ फैसले सुनाने के बदले में

अरबों की जमीन उपहार में दी गई थी। खैबर-पख्तूनख्वा के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पास न्यायाधीश और उनके परिवार के खिलाफ सभी सबूत हैं।

आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी पर भी पूर्व पीएम हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) पर कार्रवाई में अहम भूमिका निभाने के लिए मंत्री मोहसिन नकवी को आंतरिक मंत्रालय और पीसीबी अध्यक्ष सहित प्रमुख पदों से नवाजा गया। नकवी ने हमारे खिलाफ अत्याचार किए।

खान ने मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा पर पीटीआई के उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जस्टिस ईसा ने हमसे हमारा चुनाव चिह्न छीन लिया और मानवाधिकार उल्लंघनों पर हमारी याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त ने धांधली के लिए मुख्य न्यायाधीश और पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) को जिम्मेदार ठहराया था। फिर भी मुख्य न्यायाधीश ईसा को विस्तार दिया जाएगा।

पूर्व पीएम ने पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति की तुलना पूर्व सैन्य शासक जनरल याह्या खान के समय से की। पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा कि नवाज शरीफ को डरा कर रखा गया है। नहीं तो वह बहुत पहले ही भाग गए होते। पूरे देश को हमारी आजादी की रक्षा के लिए सड़क पर आंदोलन के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निवेश आकर्षित करने के लिए पाकिस्तान में कानून का शासन आवश्यक है।

इमरान खान ने एलान किया कि पीटीआई की सड़क आंदोलन की योजना जल्द ही सामने आएगी। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हो रहे अन्याय को भी उजागर किया। सरकार ने हमारे सांसदों को गिरफ्तार किया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और मेरी पत्नी की कैद भी अवैध है।

**पुतिन पर सवाल पूछा तो पत्रकार को डांटने लगे बाइडेन**

# बोले- उनके बारे में ज्यादा नहीं सोचता; यूक्रेन को नहीं मिली रूस में मिसाइल दागने की इजाजत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से जुड़ा सवाल पूछने पर एक ब्रिटिश पत्रकार पर बुरी तरह से नाराज हो गए। दरअसल, पुतिन ने पश्चिमी देशों को धमकी दी थी कि अगर यूक्रेन को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक स्काई न्यूज के एक रिपोर्टर ने इसे लेकर बाइडेन से पूछा कि क्या यूक्रेन को इसकी इजाजत मिल रही है? इस सवाल पर बाइडेन ने आपा खो दिया। उन्होंने कहा- जब तक मैं बोल रहा हूं तब तक खामोश रहें। यही ठीक होगा। इसके बाद भी जब रिपोर्टर ने अपना सवाल जारी रखा तो बाइडेन और नाराज हो गए। उन्होंने कहा- अब आपको चुप रहना ही होगा। मैं अब बयान देने जा रहा हूं।

बाइडेन बोले- पुतिन इस जंग को कभी जीत नहीं पाएंगे यह घटना उस समय हुई जब बाइडेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस में एक अहम बैठक

कर रहे थे। बाइडेन ने बाद में कहा कि वह पुतिन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन की मदद के लिए ब्रिटेन के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि पुतिन इस जंग को कभी नहीं जीत पाएंगे। यूक्रेन के लोगों की जीत होगी। वहीं, ब्रिटिश पीएम ने कहा कि आने वाले कुछ दिन यूक्रेन के लिए अहम हो सकते हैं। आजादी की इस लड़ाई में हमें यूक्रेन का साथ देना होगा। यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत अभी नहीं मिली स्टार्मर और बाइडेन के बीच व्हाइट हाउस में काफी देर बातचीत हुई मगर उन्होंने यूक्रेन को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति देने को लेकर कोई संकेत नहीं दिया।

जब एक पत्रकार ने स्टार्मर से पूछा कि क्या वे स्टॉर्म शैडो (लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल) का इस्तेमाल करने के लिए बाइडेन को राजी कर पाए? इस पर स्टार्मर ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। उन्होंने सिर्फ ये कहा कि उनके और बाइडेन के बीच यूक्रेन को लेकर उपयोगी चर्चा हुई है।

# रूस की कैद से यूक्रेन लौटे 49 युद्धबंदी, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जताई खुशी

**कीव , एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस द्वारा बंधक बनाए गए 49 यूक्रेनी सैनिक और नागरिक वापस लौट आए हैं। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, रूस से वापस लौटे 49 लोगों में सशस्त्र बल, नेशनल गार्ड, नेशनल पुलिस और सीमा रक्षकों के कर्मी भी शामिल हैं।

समन्वय मुख्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कुल 23 महिलाओं को वापस लाया गया है, जिन्हें रूस ने बंधक बनाकर रखा था। रिहा किए गए लोगों में क्रीमियन तातार लेनी उमेरोवा भी शामिल हैं। उन्हें साल 2022 में जॉर्जियाई-रूसी सीमा से रूस ने हिरासत में लिया था। वह अपने कैंसर से पीड़ित पिता की देखभाल के लिए क्रीमिया गई थीं। इसके अलावा सैन्य चिकित्सक विक्टर इवचुक को भी रिहा किया गया है। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, सशस्त्र बलों के कर्नल और मारियुपोल में एक सैन्य अस्पताल के प्रमुख विक्टर इवचुक को अप्रैल 2022 से रूस ने बंदी बनाया था।

जेलेंस्की ने एक बयान में कहा, मैं अपनी पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो रूसी कैद से कैदियों और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए काम करती रही। हमें अपने हर एक व्यक्ति और सैनिक को घर वापस लाना है। बता दें कि रूस ने जिन युद्धबंधियों को रिहा किया है, उनमें अजोव ब्रिगेड के 15 सैनिक भी शामिल हैं। ये सभी सैनिक साल 2022 में मारियुपोल शहर की सुरक्षा में तैनात थे। इस बीच, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने भी 49 यूक्रेनी नागरिकों की रिहाई की जानकारी दी। एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा, आज हमारे 49 नागरिक, रूसी कैद से छूटकर यूक्रेन वापस लौट आए हैं। यूक्रेन के सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय रक्षक, राज्य सीमा रक्षक सेवा, राष्ट्रीय पुलिस और नागरिकों के सैनिक आखिरकार घर वापस आ गए हैं।

# चीन के जाल में फिर फंसा मालदीव, मुइज्जू ने बीजिंग के साथ किया कर्ज में डुबोने वाला नया समझौता

**माले, एजेंसी।** चीन के कर्जजाल में पहले से ही उलझे मालदीव ने बीजिंग के साथ एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें मालदीव को और अधिक वित्तीय सहायता देने पर सहमति बनी है। चीन के केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह समझौता व्यापार और निवेश को मजबूत करने में मदद करेगा। चीन ने समझौते के बारे में और कुछ नहीं बताया है।

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और मालदीव के आर्थिक विकास मंत्रालय के बीच हुआ समझौता बीजिंग तथा माले को प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने और चालू खाता लेनदेन के स्थानीय मुद्रा निपटान की अनुमति देता है। नए समझौते के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह मालदीव के बढ़ते कर्ज के बारे में उससे सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है और वित्तीय सहयोग बढ़ा रहा

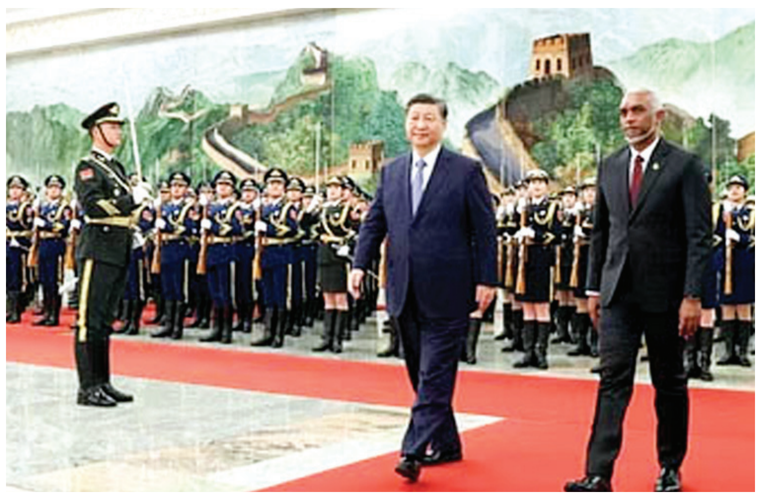

है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, चीन हमेशा की तरह अपनी क्षमता के अनुसार मालदीव के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहायता और सहयोग करेगा।

मालदीव इस समय भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। इसका बड़ा हिस्सा चीन से लिया गया है। चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू के आने के बाद मालदीव की अर्थव्यवस्था लगातार संकट में हैं। हाल के महीनों में यह चिंता बढ़ गई है कि नकदी की कमी से जूझ रहा मालदीव इस्लामिक संप्रभु कर्ज पर डिफाल्ट होने वाला पहला देश बन सकता है। हालांकि, मालदीव सरकार ने गुरुवार को प्रतिबद्धता जताई की वह अगले महीने 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने में विफल नहीं होगा। विश्व बैंक के अनुसार, मालदीव का सबसे बड़ा कर्जदाता चीन है। मालदीव के ऊपर बीजिंग का कर्ज बढ़कर 1.3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। चीन और सहायता देने के लिए मालदीव के साथ बातचीत कर रहा है। इस बीच चीन से मिलने वाला कोई भी कर्ज मालदीव पर बीजिंग के कर्ज जाल को और मजबूत करेगा।

**मालदीव को चीन के करीब ले जा रहे**

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने इस साल अप्रैल में हुए संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की थी। पद पर बैठने के बाद से ही मुइज्जू ने मालदीव में चीन परस्त नीतियों को लागू करना शुरू किया और अपने पारंपरिक साझेदार भारत से दूरी बनानी शुरू कर दी थी।

**इस गहरी होती दोस्ती का भारत पर क्या असर**

मालदीव में मुइज्जू की सरकार आने के बाद से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आने की शुरुआत हो चुकी थी।

## बालकनी से गिरकर हुई थी छात्रा की मौत, 24 घंटे के भीतर पीजी खाली करने के आदेश

नई दिल्ली। मुखर्जी नगर में पीजी होम की बालकनी से गिरने से हुई छात्रा की मौत के मामले में दिल्ली नगर निगम करीब साढ़े पांच महीने बाद हरकत में आई है। नगर निगम ने संचालक को नोटिस भेजकर 24 घंटे के भीतर पीजी होम खाली करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के साढ़े पांच महीने बीतने के बाद पीजी होम संचालक के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय चौंकाने वाला है।नोटिस में हादसे का जिक्र नहीं है, लेकिन कार्रवाई की वजह इमारत का दुरुपयोग व वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल बताई गई है। पीजी होम संचालक को नगर निगम सिविल लाइंस जोन के कार्यकारी अभियंता कार्यालय की ओर से नोटिस भेजा गया, जिसमें कहा गया है कि इमारत में भूतल के साथ-साथ पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी मंजिल तक पीजी होम का संचालन किया जा रहा है। यह दिल्ली मास्टर प्लान-2021 के निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन है। नोटिस में 24 घंटे के भीतर उक्त परिसर खाली करने को कहा है। ऐसा न करने पर कार्रवाई के लिए इमारत मालिक/किराएदार खुद जिम्मेदार होंगे।पीजी की बालकनी से गिरने से छात्रा की मौत के मामले में कार्रवाई की मांग करने वाली संस्था स्वेच्छादान के संस्थापक अध्यक्ष बीएन झा का कहना है कि यह कार्रवाई तो हादसे के फौरन बाद ही होनी चाहिए थी, निगम साढ़े पांच माह बाद कार्रवाई कर रही है।दूसरी बात, निगम ने केवल एक इमारत को नोटिस दिया, जबकि मुखर्जी नगर में नियमों के विपरीत हजारों से ऐसे चल रहे हैं। निगम को ऐसे सभी पीजी होम को बंद कराना चाहिए।

## राजौरी के जंगल में छिपे आतंकियों को खोज रहे जवानों पर फायरिंग

राजौरी-पुंछ। जिले की मेंढर तहसील के पठान तीर क्षेत्र के जंगल में तलाशी अभियान चला रहे जवानों पर अचानक आतंकियों ने फायरिंग शुरु कर दी। पहले से छिपे इन आतंकियों को जवानों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान अंधेरे का लाभ उठाकर आतंकी मौके से फरार होने में सफल हो गए। सुरक्षा बलों ने पूरे जंगली क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इतने में आतंकी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार होने में सफल हो गए, इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने पूरे जंगली क्षेत्र को घेर तक तलाशी अभियान को शुरू कर दिया है। अतिरिक्त संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को मौके पर रवाना कर दिया गया ताकि जंगल में छिपे किसी भी आतंकी को जिंदा न जाने दिया जाए। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात को सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि पठान तीर के जंगल में आतंकियों की मौजूदगी है। सूचना मिलते ही सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षा बलों के जवान जंगी के भीतर पहुंचे उसी समय आतंकियों ने सुरक्षाबलों के जवानों के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। उसी समय सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। बता दे भारतीय सुरक्षा बलों ने इससे पहले शुक्रवार को दो और शनिवार को तीन आतंकी ढेर किए हैं।

## फेक ट्रेडिंग ऐप के जाल में फंसी महिला, गंवाए 53 लाख

### – जालसाज अंतरराष्ट्रीय खातों में ट्रांसफर करवाते थे पैसे

नई दिल्ली । जालसाजों ने दिल्ली की एक महिला को फेक ट्रेडिंग ऐप के जरिये अपना शिकार बनाया है। ट्रेडिंग ऐप में पैसा लगवाकर महिला से 53 लाख रुपये का फ्रॉड किया गया है। पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी की रहने वाली शिकायतकर्ता ने बताया कि घोटालेबाजों ने एक फर्जी ट्रेडिंग ऐप बनाया था, जो एक वैध निजी बैंक के स्टॉक एप्लीकेशन की नकल जैसा था। जालसाजों ने महिला से कई अंतरराष्ट्रीय खातों में यह दावा कर पैसा जमा करवाया की वह उनके ही खाते हैं। शुरुआत में कुछ पैसे जमा करने के बाद वह ऐप पर फर्जी मुनाफा दिखाते थे, ताकि लोगों को अधिक निवेश करने पर भरोसा हो जाए। इसके बाद जालसाज आईपीओ में निवेश करने और मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों से मोटी रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। हालांकि जैसे ही लोग अपने पैसों को निकालने के लिए ऐप पर जाते थे तो उनकी गतिविधि को ब्लॉक कर दिया जाता था। इसके एवज में पीड़ितों से ऐप लोन, टैक्स और कई दूसरे खातों में अधिक पैसे ट्रांसफर करने की डिमांड की जाती थी। ऐसा नहीं करने पर पीड़ितों के ऐप से सभी गतिविधियों को ब्लॉक कर दिया जाता था। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ व्यक्ति, जो संभावित रूप से घोटालेबाजों के साथ काम कर रहे थे, दोस्त बनकर पीड़ित को पैसे उधार देने की पेशकश करते थे। ये मित्र व्यक्तिगत खातों को दरकिनार करते हुए तथा लेन-देन का कोई सबूत न देते हुए, धनराशि को सीधे पीड़ित के अंतरराष्ट्रीय खाते में ट्रांसफर कर देते थे।

## हिमाचल प्रदेश में येलो अलर्ट जारी, मौसम विभाग ने 21 सितंबर तक बारिश का अनुमान जताया

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने राज्य के छह जिलों में रविवार और बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर तेज हवाएं चलने और गरज के साथ बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने राज्य में 21 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश जारी रही और शनिवार शाम से कसौली में सबसे अधिक 53 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान धरमपुर में 26 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि रेणुका में 20 मिमी, करसोग में 10 मिमी, नाहन में 7.9 मिमी, कल्पा में 7.7 मिमी, सराहन में छह मिमी तथा धर्मशाला और कांगड़ा में 5.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, शनिवार शाम राज्य में 40 से अधिक सड़कें बंद कर दी गईं और 53 बिजली आपूर्ति योजनाएं बाधित हुईं। राज्य में एक जून से 15 सितंबर तक मानसून के दौरान बारिश की कमी 18 प्रतिशत है, राज्य में मानसून के दौरान 689.6 मिमी औसत बारिश के मुकाबले 562.9 मिमी बारिश हुई है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में मानसून के आगमन के बाद, 27 जून से शनिवार तक बारिश से संबंधित घटनाओं में 169 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 30 लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि बारिश संबंधी घटनाओं में राज्य को 1,327 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

## दुष्कर्म के केस में विग कमांडर को तुरंत फुरंत जमानत

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की एकल बेंच के न्यायाधीश ने एक विंग कमांडर को 50000 रूपये की जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए हैं। विंग कमांडर के ऊपर उसकी महिला साथी ने विंग कमांडर पर ऑफिसर ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे। आरोपी ने इस मामले की याचिका जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट में दायर की। जहां से उसे जमानत मिल गई। जम्मू कश्मीर के एकल न्यायाधीश ने आदेश दिया है,विग कमांडर की गिरफ्तारी होने से उसकी प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों ही खतरे में पड़ जाएंगे। अत : उसे 50000 रूपये की जमानत में रिहा किया जाए। बिना अदालत की अनुमति के उसके खिलाफ आरोप पत्र दायर नहीं किया जाए। बिंग कमांडर को बिना सीनियर अधिकारी के अनुमति लिए बिना श्रीनगर और जम्मू कश्मीर छोड़ने पर रोक लगा दी है। यह मामला अपने तरीके का है। महिला के साथ यौन उत्पीड़न करने के बाद भी तुरंत जमानत मिल गई। अब पुलिस इस मामले की जांच करेगी। जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के इस निर्णय को लेकर बड़ा आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है।

## टीएमसी नेता ने युवती को घर बुलाकर किया दुष्कर्म,पार्टी ने किया निलंबित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता आए दिन किसी न किसी मामले में धरे जा रहे हैं। बीते रोज एक और नेता दुष्कर्म के मामले में धरा गया है। आरोपी नारायण मित्रा ने एक युवती को घर बुलाया और दो तीन दिन तक उसके साथ यौन संबंध बनाए। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने किसी काम से घर बुलाया और बांकुरा स्थित अपने आवास पर घटना को अंजाम दिया। वहीं दूसरी तरफ इस मामले में एफआईआर होने के बाद ट्रेड यूनियन नेता को टीएमसी ने उन्हे निलंबित कर दिया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार इस समय आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में सवालों के घेरे में है। पश्चिम बंगाल समेत देशभर के डॉक्टरों में भी आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को ममता बनर्जी ने डॉक्टरों से मुलाकात की थी हालांकि यह बैठक बेनतीजा ही रही।

# लोगों को गुमराह कर रहे, पीएम मोदी पर फारूक अब्दुल्ला का आरोप

**श्रीनगर (एजेंसी)।** पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह दावा कर देश को ''गुमराह'' कर रहे हैं कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में सत्ता में आया तो जम्मू कश्मीर में आतंकवाद फिर से बढ़ जाएगा। नेकां नेता ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि पिछले पांच साल से उनकी सरकार है और अनुच्छेद 370 हट चुका है। वह कहते थे कि अनुच्छेद 370 यहां (जम्मू-कश्मीर) आतंकवाद के लिए जिम्मेदार है, लेकिन आज अनुच्छेद 370 है ही नहीं। अब भी ये आतंकवाद क्यों है?''

अब्दुल्ला की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी को दोबारा सत्ता में लाने के खिलाफ लोगों को आगाह करने के एक दिन बाद आई है। मोदी ने आरोप लगाया था कि इन दलों की नीतियों ने आतंकवाद के लिए जमीन तैयार की है, युवा नेतृत्व को दबाया है और जम्मू-कश्मीर को ''खोखला'' कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह पता होना चाहिए कि जब वह दूसरों पर आरोप लगाते हैं तो तीन उंगलियां उनकी ओर उठती हैं।

अब्दुल्ला ने कहा, ''जो लोग हम पर आरोप लगा रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब आप हमारी ओर एक उंगली उठाते हैं तो तीन उंगलियां आपकी ओर उठती हैं। आप लोगों को गुमराह कर रहे हैं, आप हर दिन झूठ बोल रहे हैं।'' वर्ष 1987 के चुनावों में ''धांधली'' के कारण जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद भड़कने संबंधी आलोचना के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने अलगाववादियों को हिंसा करने के लिए नहीं कहा।

अब्दुल्ला ने कहा, ''मैंने उन्हें अलगाववादी नहीं बनाया। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें (अलगाववादी) नहीं बनाया। वे पाकिस्तान के लिए बोलते हैं। जो लोग पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे और जनमत संग्रह कराने की बात कर रहे थे, वे आज उनके खेमे में बैठे हैं। आप उनसे क्यों नहीं पूछते कि 'निजाम-ए-मुस्तफा' (शरिया कानून) लागू करने के नारे लगाने वाले कहां हैं। वे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ बैठे हैं।''

लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य पार्टियों की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने पूछा, ''उन्हें पहले क्यों नहीं रिहा किया गया? अब क्यों? उन्हें मुसलमानों को विभाजित करने और उनकी आवाज को खत्म करने के लिए रिहा किया गया है। वह भाजपा और आरएसएस के साथ हैं।

## आरक्षण संबंधी बयान को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

मुंबई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण से संबंधित बयान को लेकर उन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि संवैधानिक पद पर

आसीन व्यक्ति की ऐसी टिप्पणी ''संविधान विरोधी मानसिकता'' को दर्शाती है। धनखड़ ने मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि कुछ लोग इसकी मूल भावना को भूल गए हैं। उन्होंने कहा, ''संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण समाप्त कर दिया जाना चाहिए, संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। यह वही पुरानी संविधान विरोधी मानसिकता है, बस इसकी जिम्मेदारी किसी और ने ले ली है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं। यह किसी को अवसर से वंचित नहीं करता, बल्कि समाज को ताकत देने वाले स्तंभों को सहारा देता है।'' हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा था कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।

## सीएम रेड्डी ने ओवैसी की तारीफ में पढ़े कसीदे कहा- वे कांग्रेस के खिलाफ बोलते हैं हमें खुशी होती है

**हैदराबाद (एजेंसी)।** कांग्रेस पर लगातार हमलावर रहने वाले एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कांग्रेस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जमकर तारीफ की। उन्होंने ओवैसी की तारीफ में कसीदे पढ़ते पढ़ते यहां तक कह दिया कि जब उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ बात की, तब भी मुझे अच्छा लगा क्योंकि हमारा अपना भाई अपनी आवाज उठा रहा था। अगर कोई हमारे खिलाफ बोलता है, तो वह हमारा दुश्मन नहीं बन जाता। सरकार चलाने में कुछ गलतियां हो सकती हैं। उन गलतियों को सुधारने के लिए हमें एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है, चाहे वह राज्य में हो या देश में। बता दें कि ओवैसी ने कई मौकों पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है, खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आगे कहा कि देश में नफरत फैलाने की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे राज्य के एकमात्र सांसद हैं जो संसद में लगातार गरीबों के लिए बोलते हैं। हैदराबाद में पैगंबर फॉर द वर्ल्ड नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि ओवैसी हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए अथक काम कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने उन्हें गरीबों की आवाज बताया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पैगंबर मुहम्मद, गीता और बाइबिल की शिक्षाओं का सार देश और दुनिया में शांति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमें उन लोगों को रोकने के लिए एक साथ खड़ा होना चाहिए जो जहर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत हमारा देश है और इसकी सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। देश को बचाने के लिए कोई और नहीं आएगा। चुनाव जीतने की कोशिश करना गलत नहीं है, लेकिन हमें उन लोगों से सावधान रहना चाहिए जो जीतने के लिए जहर फैलाते हैं।

## राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख बोले: समाज में समरसता होनी चाहिए, हर वर्ग को साथ लेकर चलना चाहिए

**अलवर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयं सेवकों को परिवार और समाज से जुड़े 5 सूत्र बताए। उन्होंने कहा- हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। गरीब के साथ जुड़ाव रखें, उनको घर पर लेकर आएं और उनके घर पर भी जाएं। रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हम सभी को परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर बातचीत करते रहना चाहिए। शाम को खाना खाते समय एक साथ बैठे, ताकि सभी के मन की बात पता रहे। अपने गांव-ढाणी के गरीब परिवारों को आगे बढ़ाने की सोच रखनी चाहिए। गरीब के घर भी जाना चाहिए। गरीब को भी अपने घर बुलाना चाहिए। समाज में समरसता का माहौल रहना चाहिए। हर तबके को साथ लेकर चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि घर में क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए, इस पर परिवार में एक-दूसरे के विचार जरूरी हैं। दूसरा हम समाज के लिए क्या कर रहे हैं, इस पर विचार करने की जरूरत है। जिस राज्य में आप रहते हैं, उसकी वेशभूषा और खान-पान का पता रहना चाहिए। एक जगह शाखा लगाए, जिसमें हमें एक-दूसरे का पता रहना चाहिए। हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पिछड़ेपन को दूर करने के लिए हम सबको काम करने की जरूरत है। रण में जाए बिना भी देश सेवा की जा सकती है। अपनी कॉलोनी में सफाई करके भी देश सेवा कर सकते हैं। समाज को उन्नतिशील बनाए, चरित्र और शिक्षा को बेहतर बनाकर देश सेवा हो सकती है। उन्होंने कहा- देश में समरसता होनी चाहिए, हर व्यक्ति अपने आप को भारत का नागरिक समझे।

### पौधे वृक्ष बने, इसकी सबको चिंता करने की जरूरत

भागवत ने पौधारोपण करने के बाद कहा कि ये लगाए गए पौधे वृक्ष बने, इसकी सबको चिंता करने की जरूरत है। आने वाली पीढ़ी को यह एक विशेष सौगात होगी। हमने प्रकृति से खूब लिया है, अब प्रकृति को भी संवारने की जरूरत है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश सरकार में वन मंत्री संजय शर्मा भी मौजूद थे। आरएसएस प्रमुख ने यहां 11 पौधे लगाए गए हैं।

## योगी के ज्ञानवापी ही विश्वनाथ वाले बयान पर भड़के मुस्लिम धर्मगुरु

वाराणसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के ज्ञानवापी ही विश्वनाथ के बयान के बाद मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। बनारस, लखनऊ, बरेली के धर्मगुरुओं ने संयुक्त बयान जारी किए हैं। वाराणसी में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के जॉइंट सेक्रेटरी मोहम्मद सैयद यासीन ने कहा कि चुनाव का माहौल है, सीएम कल कह सकते हैं कि ताजमहल शंकराचार्य की समाधि है। यासीन ने कहा कि योगी एक महान इंसान हैं। क्या कहा जाए। वह जिस पद पर हैं, उन्हें ऐसे बयान देने से एहतियात बरतना चाहिए। अफसोस है कि चुनाव और अपनी राजनीति चमकाने के लिए कोई कुछ भी बोल सकता है। उन पर कोई रोक नहीं है। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि ज्ञानवापी एक तारीखी मस्जिद है। वहां विवाद चल रहा है, जोकि कोर्ट में लंबित है। जिला कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग कई मामले दर्ज हैं। दोनों पक्षों के वकील जिरह कर रहे हैं। अभी नतीजा नहीं निकला है। ऐसी सूरत में सीएम योगी ने जो बयान दिया है, ऐसा कहना कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसा है। उन्होंने कहा कि वह बड़ी शख्सियत हैं, जो जिम्मेदार कुर्सी पर बैठे हैं, उन्हें ऐसी बात कहना शोभा नहीं देता। सीएम तो सबका होता है, चाहे उसने वोट दिया हो, चाहे न दिया हो। लॉ एंड ऑर्डर, लोगों को सुरक्षित महसूस कराना, सीएम का काम है।

## महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना मेरी कभी ख्वाहिश नहीं रही: शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे

**अहमदनगर (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा कभी नहीं रखी। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के साथ उतरने के प्रति महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की अनिच्छा की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान सामने आया है। अहमदनगर में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी (नवंबर) 2019 में भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा नहीं थी।

ठाकरे ने कहा, ''चाहे मैं सत्ता में रहूं या नहीं, मैं लोगों के समर्थन से सशक्त महसूस करता हूं। बालासाहेब (ठाकरे) कभी भी सत्ता में नहीं थे, लेकिन लोगों के समर्थन के कारण सभी शक्तियां उनमें निहित थीं।'' वह पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने पिछले महीने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस से महा विकास आघाडी के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

एमवीए के मुख्य वास्तुकार और राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि गठबंधन को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा कि गठबंधन में कौन सी पार्टी सबसे अधिक सीट जीतती है। ठाकरे ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के लोग उनकी ताकत हैं। उन्होंने कहा, ''जब तक आप मेरा समर्थन करेंगे तब तक कोई मुझे सेवानिवृत्त नहीं कर सकता।

# 42 करोड़ का पुल 7 साल में हुआ जर्जर, अब 52 करोड़ में दोबारा बनेगा

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** आज से सात साल पहले 2017 में 42 करोड़ की लागत से बनाया गया पुल अब किसी काम का नहीं रहा। अब इस हाटकेश्वर पुल को तोड़कर दोबारा से बनाया जाएगा। इस बार इसकी लागत 52 करोड़ रुपये होगी। अहमदाबाद नगर निगम ने पुल के पुनर्निर्माण के लिए चौथा टेंडर जारी किया है। पुल के पुनर्निर्माण की यह राशि उसी कंपनी से वसूली जाएगी जिसने इसे बनाया था। पुल की जर्जर हालत के मद्देनजर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण पिछले दो सालों से यह पुल बंद है। एएमसी में विपक्ष के नेता शहजाद खान पठान ने हाटकेश्वर बुल को इंजीनियरिंग विफलता और भ्रष्टाचार का प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि अजय इंफ्रा द्वारा निर्मित इस पुल का उद्घाटन नवंबर 2017 में हुआ था, लेकिन मार्च 2021 में एक गड्ढे के कारण इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

पठान ने कहा, अगस्त 2022 में बनी स्थिरता रिपोर्ट में असुरक्षित पाए जाने के बाद पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। पुनर्निर्माण सहित पुल की कुल लागत केवल पांच वर्षों में 94 करोड़ रुपये होगी और यह राशि अजय इंफ्रा कंपनी से वसूल की जानी चाहिए।उन्होंने कहा, अगस्त 2022 में बनी स्टेबिलिटी रिपोर्ट में असुरक्षित पाए जाने के बाद पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। पुनर्निर्माण सहित पुल की कुल लागत केवल पांच वर्षों में 94 करोड़ रुपये होगी और यह राशि अजय इंफ्रा कंपनी से ही वसूल की जानी चाहिए।रिपोर्ट के अनुसार, एएमसी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष देवांग दानी ने एक साक्षात्कार में कहा, हाटकेश्वर पुल को नुकसान के कारण बंद कर दिया गया था। एएमसी ने इसे तोड़ने और पुनर्निर्माण के लिए तीन टेंडर निकाले थे, लेकिन किसी भी कंपनी ने जवाब नहीं दिया। चौथे प्रयास में, राजस्थान की एक कंपनी ने इस प्रोजेक्ट को लेने पर सहमति जताई। एएमसी का लक्ष्य 15 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करना और अगले 18 महीनों में नया पुल तैयार करना है। वहीं, देवांग दानी ने बताया कि पुल के पुनर्निर्माण लागत का आंकलन जारी है, जबकि गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने पुष्टि की कि इसकी तोड़फोड और पुनर्निर्माण पर 52 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जो मूल ठेकेदार से वसूल किए जाएंगे। इसके जवाब में पठान ने पूछा कि जब अहमदाबाद में अन्य नए पुलों के निर्माण में 100 करोड़ से अधिक की लागत आ रही है, तो इस पुल के पुनर्निर्माण में केवल 52 करोड़ रुपये की लागत ही क्यों आएगी। उन्होंने यह भी पूछा कि सभी नए पुलों पर लागत बचाने का ऐसा ही तरीका क्यों नहीं अपनाया जा सकता। अहमदाबाद कांग्रेस के शहर अध्यक्ष हिम्मत सिंह पटेल ने भी चिंता जताते हुए सवाल किया कि हाटकेश्वर पुल मामले में शामिल ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ कोई जांच क्यों नहीं की गई। उन्होंने भाजपा पर कार्रवाई से बचने और ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का चुनिंदा तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

# अयोध्या में इस बार और भी भव्य होगा दीपोत्सव.... भारी संख्या में श्रद्धालु आएंगे

**अयोध्या (एजेंसी)।** प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में इस साल दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारियाँ हो रही हैं। जिला प्रशासन ने दीपोत्सव के आयोजन को लेकर व्यापक योजना बनाकर कार्यों की निगरानी शुरू कर दी है। इस बार दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों की गति को बढ़ाया गया है।

हाल ही में, अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल ने दीपोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिक्रमा मार्ग, राम की पैड़ी और धर्मपथ पर बनाए गए फूड प्लाजा का भी जायजा लिया। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि फूड प्लाजा को दीपोत्सव से पहले 3 फीट पीछे किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा को बेहतर बनाया जा सके। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या की भव्यता को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या में कई नई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। इसके पहले, कई परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अयोध्या में इस बार दीपोत्सव के मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने इस भीड़ को संभालने और मेहमानों के स्वागत की तैयारियों में जुटा हुआ हैं। दीपोत्सव के दौरान जिन मार्गों पर भीड़ अधिक होने की संभावना है, वहां के विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कमिश्नर गौरव दयाल ने पुष्टि की कि विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया है और अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि दीपोत्सव से पहले अधिकांश कार्य पूरे कर लिए जाएं। इस प्रकार, अयोध्या की धार्मिक गरिमा और दिव्यता को बनाए रखते हुए दीपोत्सव को एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए पूरी तैयारियाँ की जा रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सूरत में ईद-गणेश विसर्जन पर हाई अलर्ट : ड्रोन सर्विलांस और 15,000 से अधिक जवान तैनात

क्रांति समय | सूरत, कल ईद और 17 सितंबर को गणेश विसर्जन के मद्देनजर शहर पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है. सैयदपुरा में हुई पत्थरबाजी की घटना के बाद, पुलिस पूरे शहर में कॉम्बिंग और फुट पेट्रोलिंग कर रही है. ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है. दूसरी ओर, विसर्जन के अगले दिन ईद-ए-मिलाद होने के कारण दोनों समुदायों के त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न करना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है.

सैयदपुरा की घटना के बाद पुलिस लगातार सतर्क रहकर ड्यूटी कर रही है. पुलिस थानों द्वारा शांति समितियों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं और गणेश आयोजकों से विसर्जन प्रक्रिया को जल्दी पूरा करने का

आग्रह किया जा रहा है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में रूट मार्च और वाहन चेकिंग की जा रही है. अब तक 200 संदिग्धों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है. पुलिस निगम, बिजली कंपनियों आदि के अधिकारियों के साथ समन्वय में विसर्जन रूट की लगातार जांच कर रही है. ईद और विसर्जन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस दिन-रात मेहनत कर रही है.

इस बार शहर के मुख्य विसर्जन रूट, कृत्रिम और प्राकृतिक जलाशयों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में 15,000 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, TRB, होमगार्ड और RAF के जवान तैनात रहेंगे. पुलिस सीसीटीवी कैमरों से विसर्जन प्रक्रिया पर नजर रखेगी. साथ ही, बॉडीवॉर्न कैमरे और 10 ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की जाएगी. इस वर्ष शहर के 21 कृत्रिम और डुमस, हजीरा के 3 प्राकृतिक जलाशयों में कुल मिलाकर 80,000 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा.

आज सूरत पुलिस कमिश्नर समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल और RAF के जवानों ने फ्लैग मार्च किया. सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि कल ईद का जुलूस निकलेगा. अनुमानित 144 जुलूस निकलेंगे, लेकिन ये किसी मुख्य सड़क पर नहीं आएंगे. वहीं, अगले दिन गणेश विसर्जन होगा, जिसमें 80,000 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन होगा. इसी को लेकर आज रिहर्सल की जा रही है.

इसके अलावा उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें. यदि कोई सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. ईद और विसर्जन के मद्देनजर सूरत पुलिस की टीम सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रख रही है.

# अंतर में क्षमापना के बिना मोक्ष असंभव : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने रविवार 15 सितंबर को प्रवचन में कहा कि हम भले ही दान, शील, तपश्चर्या का पालन कर ले, लेकिन हमारे अंतर में क्षमापना नहीं होगी तो मोक्ष बहुत दूर है. क्षमापना का अर्थ होता है अपने अंतर को, अपने अंतर के संपुर्ण अस्तित्व के साथ अच्छे से अपने अंतर को समझना. उसमें किसी भी प्रकार के बाहर के विकार को प्रवेश होने नहीं देना. बाहर के विहार का प्रवेश अपने अंतर को दूषित करता है. रविवार 15 सितंबर को सुबह 8 बजे गाजते वाजते शा शान्तिलाल जी हरीशकुमार विकासकुमार लुणिया परिवार शेरगढ़, सूरत के निवास स्थान राजहंस एलिटा के मुख्य गेट पर गुरुदेव श्री का भव्य सामैया हुआ. वहां से गाजे बाजे के साथ 9 बजे श्री संघशास्तापुरम नगरी में प्रवचन मंडप में पधारें. जहां मासक्षमण और उपर के सभी तपस्वियों एवं महामंगलकारी सिद्धितप के समस्त तपस्वियों को सोने की चेन पहनाकर बहुमान किया गया. रविवार को समाज के सभी महानुभावों और मेहमानों के साथ साथ आमंत्रित बाड़मेर जैन श्री संघ पर्वत पाटीया, श्री शीतलवाड़ी जैन श्री संघ,वेसु खरतरगच्छ जैन

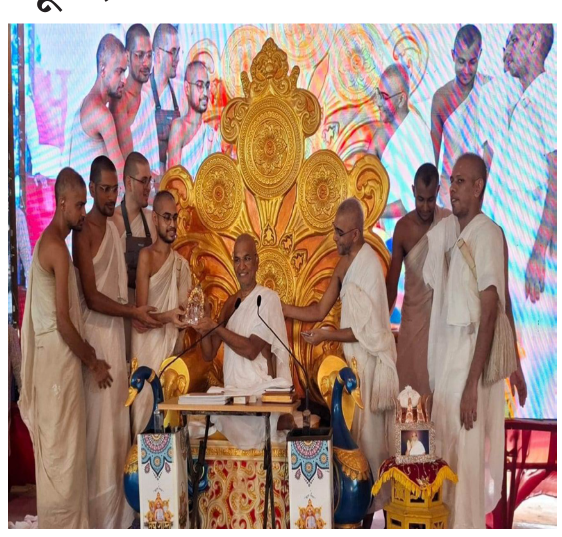

संघ आदि संघों का सामुहिक क्षमापना समारोह आयोजित किया गया. इस समारोह में संघ को निश्रा प्रदाता पूज्य गुरुदेव श्री आदि साधु साध्वी वृंद के साथ साथ पर्वत पाटीया में बिराजमान प.पू. श्री डॉ निलांजनाश्रीजी म सा आदि ठाणा एवं शीतलवाड़ी बिराजमान प.पू.श्री मधुरिमाश्रीजी म सा आदि ठाणा का सानिध्य प्राप्त हुआ. बाड़मेर जैन श्री संघ पर्वत पाटीया का आगमन, श्री शीतलवाड़ी जैन संघ का आगमन हुआ. मुमुक्षु मुस्कान धारीवाल के दीक्षा मुहुर्त की उदघोषणा की गई. चौहटन निवासी शा नितेशकुमारजी, रमेशकुमारजी, जेठमलजी सेठिया परिवार को स्व द्रव्य से निर्मित जिन मंदिर की प्रतिष्ठा व उपाश्रय और पाठशाला के उद्घाटन के मुहुर्त की उदघोषणा की गई.

# प्रमाद से बचकर कुशल बने मानव :- आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय | सूरत, जन-जन का कल्याण करने वाले, सद्भावना, नैतिकता व नशामुक्ति जैसे शुभ संकल्पों के माध्यम से जनता को सन्मार्ग दिखाने वाले, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता, अखण्ड परिव्राजक आचार्यश्री महाश्रमणजी भव्य चतुर्मास सूरत शहर में हो रहा है. भगवान महावीर के प्रतिनिधि का चतुर्मास भगवान महावीर युनिवर्सिटि परिसर में होना मानों सूरत शहरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय समय बन गया है. प्रतिदिन के अलावा जिस दिन रविवार की छुट्टी होती है, उस दिन तो संयम विहार परिसर पूरी तरह जनाकीर्ण नजर आता है. श्रद्धालु अपने भौतिक कार्यों की छुट्टी का पूरा लाभ आध्यात्मिकता के रूप में लेने का प्रयास कर रहे हैं.

रविवार को महावीर समवसरण में उपस्थित जनता को भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि तीन शब्द का एक छोटा सूत्र है-प्रमाद से क्या मतलब, अर्थात् प्रमाद नहीं करना चाहिए. जो कुशल होता है, उसे प्रमाद से क्या लेना-देना होता हैं. इसी प्रकार जो साधु बन गया है, उसे प्रमाद से भला क्या लेना-देना हो सकता है. मैंने इस वर्ष के प्रारम्भ में मैंने चौबीसी को याद करने की बात कही थी तो लगता है कि कितनों इस पर ध्यान दिया है. यहां बताया गया है कि कुशल कौन होता है? बताया गया कि वीतराग कुशल होता है या वीतराग की साधना में लगा हुआ व्यक्ति कुशल होता है. जो कुशल होता है, उसे प्रमाद से बचने का प्रयास करना चाहिए. सामान्य आदमी को भी अपने जीवन में प्रमाद से बचने का प्रयास करना चाहिए. इसलिए यह आगम पहले ही सावधान करता है कि किसी भी प्रकार के प्रमाद से बचने का प्रयास करो.

योग, ध्यान, प्रेक्षाध्यान, तपस्या आदि के द्वारा जितना संभव हो सके, प्रमाद से बचने का प्रयास करना चाहिए. प्रयास करने से

सफलता भी प्राप्त हो सकती है. कार्य को समय से करने का प्रयास करना चाहिए. प्रमाद से बचकर समय का सदुपयोग कर अपने जीवन को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए.

आचार्यश्री के मंगल प्रवचन के उपरान्त साध्वीवर्या साध्वी सम्बुद्धयशाजी ने उपस्थित जनता को उद्बोधित किया. भगवान महावीर मेमोरियल समिति-दिल्ली के अध्यक्ष श्री के.एल. जैन ने समग्र जैन चतुर्मास सूची-2024 को आचार्यश्री के समक्ष लोकार्पित किया. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने उन्हें मंगल आशीर्वाद प्रदान किया. श्री विजयकृष्ण नाहर ने अपनी लिखित दो पुस्तक 'तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य संत भिखणजी पाली में' तथा 'आचार्य भिखण के मार्ग का आधारपुरुष हेमराजजी' को आचार्यश्री के समक्ष लोकार्पित किया गया. आचार्यश्री ने इस संदर्भ में पावन आशीर्वाद प्रदान किया. श्री बाबूलाल जैन ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी.

अंत में आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के नवीन टीम का शपथ ग्रहण समारोह समायोजित हुआ. जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री हिम्मत माण्डोत आदि पूरी टीपीएफ की नई टीम ने आचार्यश्री के समक्ष शपथ ग्रहण किया. आचार्यश्री ने नवीन टीम को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया.

# सूरत में AAP का अनोखा विरोध: सड़कों की बदहाली पर शासकों की तस्वीरों के साथ दुखोत्सव

क्रांति समय | सूरत, विपक्ष द्वारा कल पुण वाडेला के पास विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई थी. आज सुबह जब विपक्ष के पार्षद विरोध करने पहुंचे, तो पहले से ही पुलिस सुरक्षा तैनात थी. इसके चलते विपक्षी पार्षदों ने क्रिरण चौक पर गड्ढों के पास ही विरोध प्रदर्शन किया. इस विरोध प्रदर्शन में सूरत शहर के मेयर, डिप्टी मेयर और स्थायी समिति के अध्यक्ष की तस्वीरों और स्थानीय विधायक की तस्वीरों पर माला चढ़ाई गई. सड़कों पर अपनी दुखद भावनाएँ व्यक्त करते हुए मंत्रोच्चार के साथ फूल चढ़ाने का कार्यक्रम हुआ, जिसे देखकर आसपास के लोग भी हैरान रह गए. सड़कों पर गड्ढों की हालत को लेकर उन्हें स्लाइन (ग्लूकोज की बोतल) भी चढ़ाई गई.

विपक्ष द्वारा शहर भर में सड़कों की मरम्मत के काम को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया. आज सुबह से ही शहर के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन हुआ. क्रिरण चौक (वार्ड-17), ममता पार्क (वार्ड-4), और सीतानगर चौक (वार्ड-16) पर विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान कुल 15 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया. तीनों को अलग-अलग पुलिस थानों में ले जाया गया. विपक्ष द्वारा कल ही कार्यक्रम की घोषणा की गई थी, जिसके चलते आज शहर पुलिस ने कड़ी निगरानी रखी थी. फिर भी विपक्ष ने दुखोत्सव का कार्यक्रम अलग-अलग क्षेत्रों में करके विरोध प्रदर्शन किया. सूरत शहर के लोग गड्ढों से बहुत परेशान हो चुके हैं. बारिश होते ही सड़कों पर गड्ढे पड़ जाते हैं, और सूरत नगर निगम (SMC) उन्हें भरता है, लेकिन फिर से गड्ढे वहीं बन जाते हैं. वराछा क्षेत्र के योगी चौक के पास सड़कों पर कई गड्ढे देखे जा सकते हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र के लोग बेहद परेशान हैं. कई बार स्थानीय लोगों द्वारा सूरत नगर निगम को इस बारे में शिकायत की गई है.

कई शिकायतों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है. यही कारण है कि इस क्षेत्र के लोगों ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया.

# सांसद मुकेशभाई दलाल ने गणेश विसर्जन रूट का बाइक पर दौरा किया, समय पर विसर्जन करने की अपील की

क्रांति समय | सूरत, सूरत शहर में गणेश विसर्जन के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने, कानून और व्यवस्था की स्थिति को बरकरार रखने और शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन को संपन्न कराने के उद्देश्य से, शहर के गणेश महोत्सव के आयोजकों और गणेश महोत्सव समिति के नेताओं के साथ मिलकर सूरत के सांसद श्री मुकेशभाई दलाल ने बाइक पर जाकर गणेश विसर्जन रूट का दौरा किया. रूट पर गणेश भक्तों से मूर्ति विसर्जन में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली और समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया. साथ ही, उन्होंने उच्च पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर आयोजकों से रूट

में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की और उनका समाधान किया.

सांसद ने आयोजकों से शांति और संयम बनाए रखने, और सुबह से ही विसर्जन शुरू करने की अपील भी की.